संयम ◆ संस्कार ◆ संतुलन

R.N.I. No.-UPHIN/2004/22466

वर्ष-22 अंक- 03
पृष्ठ 8
गुरूवार
18 सितंबर 2025
प्रातः संस्करण
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज
मूल्य-1.00

शहर समता

प्रयागराज से प्रकाशित Email : shaharsamta@gmail.com Website : https://Shaharsamta.com सम्पादक-उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

विविध- रोजाना सुबह नारियल पानी पीने...
विचार- ईपीएफ सेवाएं भी उपभोक्ता आयोग...
खेल- बसपा के पूर्व विधायक और ...

मुख्यमंत्री योगी बोले- शून्य से शिखर की यात्रा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जीवन का सार

लखनऊ, संवाददाता। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिवस के अवसर पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार शाम लखनऊ के पटेल पार्क, जीपीओ में उनके जीवन पर आधारित प्रदर्शनी का उद्घाटन किया। इस अवसर पर सीएम योगी ने कहा कि शून्य से शिखर की यात्रा प्रधानमंत्री मोदी जी के जीवन का सार है। संघर्षों से आगे बढ़कर उन्होंने अपना मार्ग बनाया है। जीवन की शुचिता, कर्मठता और ईमानदारी उनके जीवन का हिस्सा है। राष्ट्र के प्रति अगाध प्रेम और संपूर्ण समर्पण का भाव उनके जीवन का हिस्सा है। उन्होंने अपना सब कुछ भारत माता के चरणों में समर्पित किया है और इसीलिए पिछले दस वर्ष में हमने भारत को बदलते हुए देखा है। एक भारत जो आज दुनिया की एक बड़ी ताकत के रूप में उभरकर दुनिया का मार्गदर्शन कर रहा है। एक ऐसा भारत जो अपनी

● प्राकृतिक आपदा हमारे मार्ग में बाधक नहीं बन सकती

आस्था का भी सम्मान कर रहा है और विकास और विरासत की यात्रा के साथ भारत की 140 करोड़ जनता जनार्दन की आशा और आकांक्षाओं की पूर्ति के लिए पूरी प्रतिबद्धता के साथ आगे बढ़ रहा है। सीएम योगी ने अपने संबोधन में कहा कि विगत दस वर्षों में हमने एक नए भारत का दर्शन किया है और ये नया भारत प्रधानमंत्री मोदी जी जैसे सारथी के नेतृत्व में एक विकसित भारत की संकल्पना के साथ आगे बढ़ रहा हैं। स्वाभाविक रूप से इस प्रदर्शनी के माध्यम से प्रधानमंत्री मोदी जी के संघर्षमय जीवन की गाथा को चित्रों के माध्यम से देखने और अवलोकन करने का अवसर हम सबको प्राप्त हो रहा है। इससे पहले, सीएम योगी ने सरदार पटेल की प्रतिमा

पर माल्यार्पण किया और फिर प्रदर्शनी का अवलोकन किया, जहां उन्हें पीएम मोदी के जीवन के विभिन्न पहलुओं को देखने का अवसर मिला। प्रदर्शनी में पीएम मोदी के बचपन से लेकर प्रधानमंत्री बनने तक और प्रधानमंत्री बनने के बाद अब तक उनके द्वारा किए गए उल्लेखनीय कार्यों को प्रदर्शित किया गया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि आज पूरे देश में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के जन्मदिवस पर अनेक कार्यक्रम आयोजित हुए हैं। प्रातःकालीन सत्र में वाराणसी में अनेक कार्यक्रमों में भाग लेने का अवसर प्राप्त हुआ। वहां रात्रिकालीन से ही मूसलाधार बारिश जारी है, लेकिन कार्यकर्ताओं के उत्साह में कोई कमी नहीं है। कोई भी प्राकृतिक आपदा हमारे मार्ग में बाधक नहीं बन सकती। उन्होंने कहा कि आज 17 सितंबर है, 25 सितंबर को अंत्योदय एकात्म मानव दर्शन के जनक पंडित दीन दयाल उपाध्याय जी की जयंती है और 2 अक्तूबर को राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की पावन जयंती तक चलने वाले इस कार्यक्रम के साथ अनेक रचनात्मक अभियानों के साथ हमें जुड़ना होगा।

सीएम योगी ने कहा कि स्वच्छता प्रधानमंत्री मोदी जी के जीवन की प्राथमिकताओं में है। उन्होंने स्वच्छता को महत्व दिया है और इसके लिए हम सबको भी अभियान चलाना होगा। हम सबको भी उसका हिस्सा बनना होगा। स्वच्छता के लिए सिंगल यूज प्लास्टिक को बैन किया गया है और हमारा कर्तव्य है कि प्लास्टिक का उपयोग न करें। जो पर्यावरण के लिए खतरनाक है, स्वास्थ्य पर विपरीत असर डालता है उस प्लास्टिक को पूरी तरह तिलांजलि दें। स्वयं स्वच्छ भारत मिशन का हिस्सा बने। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय कार्यक्रमों के साथ जब हमारी भी भागीदारी होती है तो वह कार्यक्रम सफलता की नई ऊंचाइयों को छूता है। इस तरह के कार्यक्रम के साथ आम जनमानस की भागीदारी अनेक लोगों के लिए एक नई प्रेरणा होती है और विकास के नए मार्ग प्रशस्त करती है। स्वच्छ भारत मिशन उसी का एक हिस्सा है।

दशकों तक नहीं मना हैदराबाद मुक्ति दिवस, पीएम मोदी बोले-

अब इतिहास को किया अमर!

हैदराबाद, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को हैदराबाद मुक्ति दिवस पर सरदार वल्लभभाई पटेल के योगदान को याद किया और स्वतंत्रता के बाद हैदराबाद को भारतीय संघ का हिस्सा बनाने में देश के पहले गृह मंत्री की लौह–दृढ़ इच्छाशक्ति की सराहना की। मध्य प्रदेश के धार जिले में एक जनसभा को संबोधित करते हुए, प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि आज, 17 सितंबर, एक और ऐतिहासिक दिन है। इस दिन, राष्ट्र ने सरदार पटेल की लौह–दृढ़ इच्छाशक्ति देखी। भारतीय सेना ने हैदराबाद को आज़ाद कराया, उसके अधिकारों की रक्षा की और भारत के गौरव को पुनः स्थापित किया। उन्होंने कहा, हैदराबाद मुक्ति दिवस हमें प्रेरित करता है। माँ भारती की आन, बान और शान से बढ़कर कुछ नहीं है। विपक्ष पर परोक्ष रूप से निशाना साधते हुए उन्होंने कहा कि इस उपलब्धि का जश्न दशकों तक नहीं मनाया गया। प्रधानमंत्री ने कहा कि दशकों

बीत गए, लेकिन किसी ने इस उपलब्धि का जश्न नहीं मनाया। लेकिन हमारी सरकार ने इस घटना को अमर बना दिया। हमने इस दिन को हैदराबाद मुक्ति दिवस के रूप में मनाना शुरू किया। आज, हैदराबाद में यह मुक्ति दिवस गर्व के साथ मनाया जा रहा है। 1948 में इसी दिन तत्कालीन हैदराबाद राज्य का भारतीय संघ में विलय हुआ था। तदनुसार, 17 सितंबर को सभी सरकारी कार्यालयों, शहरी स्थानीय निकायों और ग्राम पंचायतों में राष्ट्रीय ध्वज फहराया जाएगा। 2023 में, तत्कालीन बीआरएस सरकार ने 17 सितंबर को राष्ट्रीय एकता दिवस के रूप में मनाने का निर्णय लिया। हालाँकि, केंद्र सरकार ने इसे हैदराबाद मुक्ति दिवस के रूप में मनाने का निर्णय लिया, और गृह मंत्रालय ने इस आशय की एक राजपत्र अधिसूचना जारी की। ऑपरेशन पोलो के तहत एक ष्पुलिस कार्रवाईष के बाद, 17 सितंबर, 1948 को हैदराबाद का भारतीय संघ में विलय हो गया। कुछ लोग इसे निज़ाम शासन से मुक्ति बताते हैं, तो कुछ इसे भारतीय संघ में विलय कहते हैं। इससे पहले आज, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने इस अवसर पर सिकंदराबाद के परेड ग्राउंड में राष्ट्रीय ध्वज फहराया।

पीएम मोदी की मां के एआई वीडियो पर एससी का सख्त आदेश : निजता का उल्लंघन, तुरंत हटाओ

नई दिल्ली, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन और उनकी दिवंगत मां के पितृ पक्ष अनुष्ठान के दिन, पटना उच्च न्यायालय ने कांग्रेस पार्टी को सोशल मीडिया पर प्रसारित एक कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) द्वारा निर्मित वीडियो को तुरंत हटाने का निर्देश दिया। बिहार कांग्रेस कमेटी के आधिकारिक एक्स हैंडल पर पोस्ट किए गए इस वीडियो में प्रधानमंत्री मोदी की मां द्वारा सरकारी नीतियों की आलोचना और आगामी बिहार चुनावों के बारे में अपमानजनक टिप्पणी करते हुए एक बयान को गलत तरीके से पेश किया गया है। अदालत ने कहा कि वीडियो का प्रसार भारतीय संविधान के अनुच्छेद 21 के तहत प्रदत्त निजता और प्रतिष्ठा के अधिकार सहित मौलिक अधिकारों का उल्लंघन करता है। इस तरह की सामग्री को अपमानजनक, अरुचिकर और अपमानजनक माना गया, जिसके कारण अदालत ने एक अंतरिम आदेश जारी कर वीडियो के आगे प्रसार पर रोक लगा दी और मौजूदा अपलोड को हटाने का निर्देश दिया। इस वीडियो ने तीखा राजनीतिक विवाद खड़ा कर दिया है। भाजपा नेताओं ने इसे शर्मनाक और प्रधानमंत्री व उनके परिवार पर निजी हमला करार देते हुए इसकी निंदा की है। भाजपा ने अज्ञात कांग्रेस सदस्यों के खिलाफ जालसाजी, मानहानि और आपराधिक साजिश से जुड़ी धाराओं में एफआईआर दर्ज कराई है। कांग्रेस ने वीडियो का बचाव करते हुए तर्क दिया है कि इसका उद्देश्य राजनीतिक आलोचना करना था, न कि अपमान करना। मामला अभी भी जारी है और आगे की सुनवाई में एआई–जनित सामग्री और राजनीतिक जवाबदेही जैसे गंभीर मुद्दों पर विचार किए जाने की उम्मीद है। गौरतलब है कि बिहार कांग्रेस द्वारा पोस्ट किए गए एक वायरल एआई–जनित वीडियो में कथित तौर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अपनी दिवंगत मां हीराबेन मोदी के बारे में सपने देखते हुए दिखाई दे रहे हैं, जो उनकी राजनीति को लेकर उन पर निशाना साध रही हैं।

ईवीएम मतपत्र होंगे स्पष्ट और पठनीय! चुनाव आयोग का पारदर्शिता बढ़ाने वाला फैसला

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय निर्वाचन आयोग (ईसीआई) ने बुधवार को ईवीएम मतपत्रों की डिजाइनिंग और मुद्रण से संबंधित दिशानिर्देशों को संशोधित करने की घोषणा की, ताकि उन्हें अधिक पठनीय और मतदाता–अनुकूल बनाया जा सके। चुनाव आयोग ने कहा कि बिहार विधानसभा चुनावों से शुरू होकर, ईवीएम में उम्मीदवारों की रंगीन तस्वीरें होंगी। बेहतर दृश्यता के लिए,

उम्मीदवार का चेहरा तस्वीर के तीन–चौथाई हिस्से पर रहेगा। चुनाव आयोग के एक बयान में कहा गया है कि भारतीय चुनाव आयोग (ईसीआई) ने ईवीएम मतपत्रों की स्पष्टता और पठनीयता बढ़ाने के लिए चुनाव संचालन नियम, 1961 के नियम 49बी के तहत मौजूदा दिशानिर्देशों को संशोधित किया है। बयान में आगे कहा गया है कि यह पहल चुनाव प्रक्रियाओं को सुव्यवस्थित और बेहतर बनाने तथा मतदाताओं की सुविधा बढ़ाने के लिए पिछले 6 महीनों में ईसीआई द्वारा पहले ही की जा चुकी 28 पहलों के अनुरूप है। चुनाव आयोग ने कहा कि नोटा सहित सभी उम्मीदवारों के नाम एक ही फॉन्ट प्रकार और फॉन्ट आकार में मुद्रित किए जाएंगे, ताकि आसानी से पढ़ा जा सके। वहीं, निर्वाचन आयोग के अधिकारियों ने बुधवार को कहा कि अधिकतर राज्यों में आधे से ज्यादा मतदाताओं को संभवतः कोई दस्तावेज देने की जरूरत नहीं पडेगी।

मणिपुर में सुरक्षा बलों का बड़ा एक्शन! 11 उग्रवादी गिरफ्तार, भारी मात्रा में हथियार बरामद

मणिपुर, एजेंसी। सुरक्षा बलों ने मणिपुर के तीन जिलों से विभिन्न प्रतिबंधित संगठनों के 11 उग्रवादियों को गिरफ्तार किया। पुलिस ने बुधवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि सभी गिरफ्तारियां मंगलवार को थौबल, बिष्णुपुर और इंफाल पूर्वी जिलों से की गईं। एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि गिरफ्तार उग्रवादियों में कांगलेईपाक कम्युनिस्ट पार्टी (पीडब्ल्यूजी) के छह सक्रिय कार्यकर्ता, यूनाइटेड नेशनल लिबरेशन फ्रंट (कोइरेंग) के दो सदस्य, पीपुल्स लिबरेशन आर्मी के दो कार्यकर्ता और कांगलेई यावोल कन्ना लूप (सोरेपा) का एक सदस्य शामिल है। उन्होंने बताया कि सुरक्षा बलों ने गिरफ्तार आतंकवादियों के पास से राइफलें, 382 राउंड कारतूस और अन्य हथियार भी बरामद किए हैं। आगे की जांच जारी है। इससे पहले एक और घटना में मणिपुर के इंफाल पूर्व जिले में तीन लोगों को स्थानीय व्यापारियों से जबरन वसूली करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने मंगलवार को यह जानकारी दी।

घुसपैठियों के भरोसे चुनाव जीतना चाहती है कांग्रेस : अमित शाह

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 75वें जन्मदिन पर नई दिल्ली में 'सेवा पखवाड़ा' के तहत 1600 करोड़ की विभिन्न विकास योजनाओं के लोकार्पण व शिलान्यास कार्यक्रम में शामिल हुए। शाह ने कहा कि आज, देश का प्रत्येक नागरिक और दुनिया भर में फैले भारतीय, ईश्वर से प्रधानमंत्री मोदी की दीर्घायु, उत्तम स्वास्थ्य और राष्ट्र के प्रति उनकी दीर्घायु की कामना कर रहे हैं। ऐसे व्यक्ति के जन्मदिन को, जिसका जीवन वैभव और व्यक्तित्व का रोम–रोम माँ भारती

की सेवा में समर्पित है, 'सेवा पखवाड़ा' के रूप में मनाने का निर्णय लिया गया। 11 वर्षों से, पूरा भारत 17 सितंबर से 2 अक्टूबर तक यह 'सेवा पखवाड़ा' मना रहा है। अमित शाह ने कहा कि जिस व्यक्ति का भारत के प्रति संकल्प पूरे देश को ऊर्जा देता है, जिसके गरीब कल्याण के संकल्प ने देश के 7000 से अधिक गरीबों को घर, बिजली, शुद्ध पानी, शौचालय, गैस सिलेंडर, प्रति व्यक्ति 5 किलो मुफ्त अनाज और 5 लाख रुपये तक की मुफ्त स्वास्थ्य सुविधाएं दी हैं, उस व्यक्ति के लिए भाजपा ने 'सेवा पखवाड़ा' के दौरान प्रत्येक व्यक्ति के कल्याण की चिंता करने की एक नई परंपरा शुरू की है।

शाह ने कहा कि रेखा गुप्ता अभी कह रही थीं कि प्रधानमंत्री मोदी ने कभी भी भाजपा सरकार या किसी और सरकार में भेदभाव नहीं किया। उन्होंने दिल्ली को उसकी हक़दारी से ज़्यादा दिया है, यहाँ तक कि जब अरविंद केजरीवाल की सरकार थी तब भी।

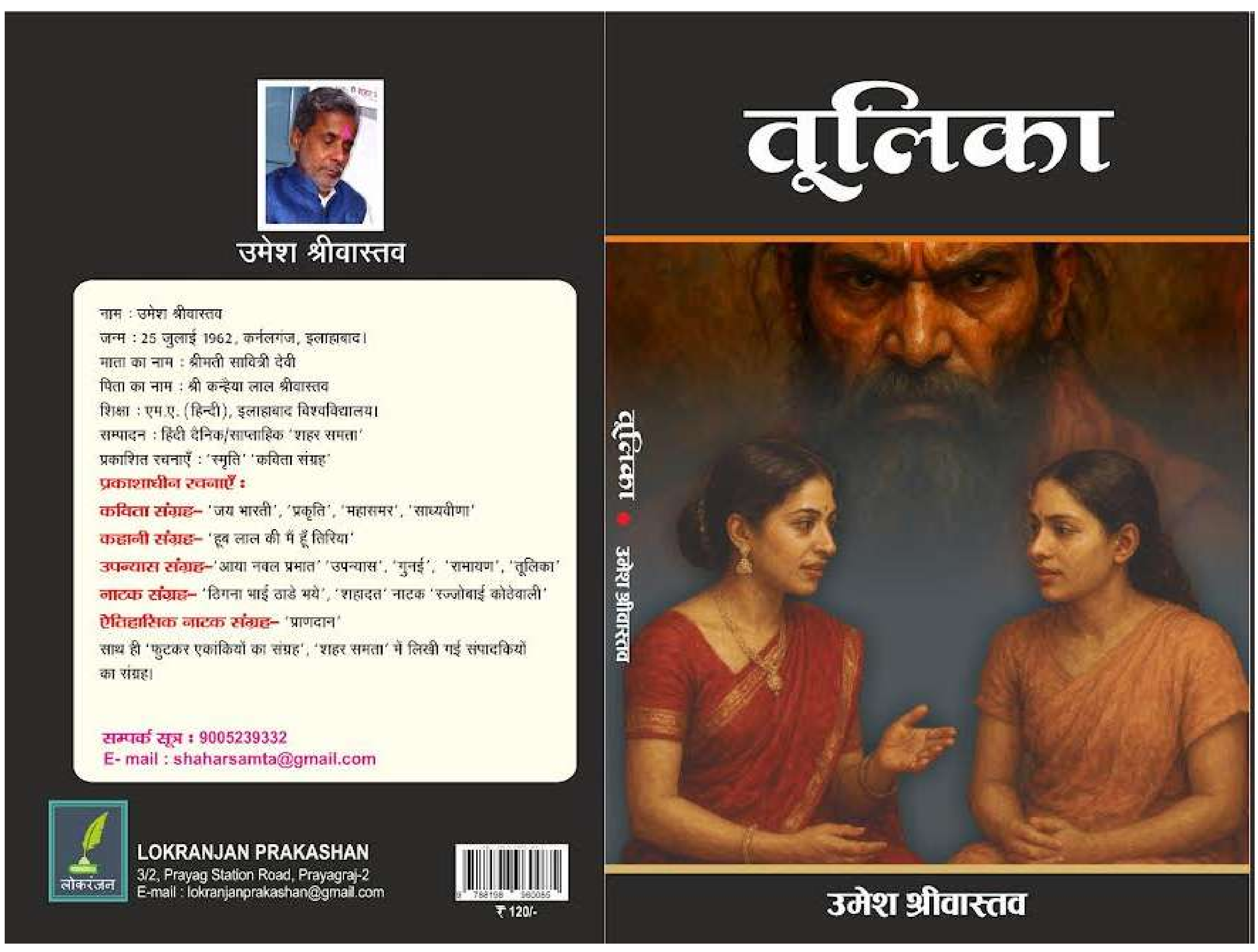

एसआरएन में ड्यूटी के दौरान नर्सिंग ऑफिसर की मौत

प्रयागराज। एसआरएन अस्पताल में कार्यरत नर्सिंग ऑफिसर शिव दुलारी (29) का मंगलवार की रात ड्यूटी दौरान मौत हो गई। वे रात की शिफ्ट के वार्ड नंबर 12 में ड्यूटी कर रहीं थी।

उसी समय बुखार अधिक होने से उनकी स्थिति खराब हो गई। सूचना पर पति सुनील घर पर रखी दवा को लेकर लाए। इंजेक्शन लगाने पर उनकी तबीयत ज्यादा खराब हो गई। उन्हें तत्काल वार्ड नंबर आठ के आईसीयू में भर्ती किया गया, जहां रात 12 बजे के लगभग मौत हो गई। मूल रूप से भदोही के सुरियावां की रहने वाली शिव दुलारी परिवार के साथ अस्पताल परिसर में बने आवास में रहती थीं। उनके पति सुनील कुमार भदोही के डीह सीएचसी में नर्सिंग ऑफिसर के पद पर कार्यरत हैं। सुनील की मंगलवार को छुट्टी होने के कारण आवास पर ही थे। शिव दुलारी के दो बच्चे हैं। एक बेटी एक साल की और दूसरी बेटी पांच साल की है। मौत की सूचना पर परिवार के लोग भी भदोही से अस्पताल पहुंचे। पुलिस में शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। परिजनों का कहना है कि शिव कुमारी को दो तीन दिन से बुखार था। लेकिन एक ही नर्स के जिम्मे वार्ड को सौंप दिया गया था। वार्ड में दो नर्स की ड्यूटी होनी चाहिए थी, लेकिन वे अकेले ही वार्ड देख रही थीं। इसलिए कार्य के दबाव में तबीयत ज्यादा बिगड़ गई जिससे मौत हो गई।

पूर्व ब्लॉक प्रमुख पर हमला, चौकी प्रभारी लाइन हाजिर

प्रयागराज। चायल के पूर्व ब्लॉक प्रमुख सोनू कुमार पर दो दिन पहले हुए जानलेवा हमले में लापरवाही बरतने के आरोप में पीपल गांव चौकी प्रभारी कुलदीप उपाध्याय को लाइन हाजिर कर दिया गया। पुलिस अब तक चार आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेज चुकी है। वहीं एक नामजद आरोपी की तलाश जारी है। कौशाम्बी के कोइलहा गांव निवासी चायल ब्लॉक के पूर्व ब्लॉक प्रमुख सोनू कुमार का एयरपोर्ट थाना क्षेत्र के पीपल गांव में कुछ लोगों से न्यायालय में जमीन का विवाद चल रहा है। बीते रविवार को जमीन पर अवैध निर्माण का विरोध करने पर सोनू कुमार पर जानलेवा हमला किया गया था।

आरोप है कि पूर्व ब्लाक प्रमुख ने जमीन पर अवैध निर्माण की सूचना पीपल गांव पुलिस चौकी दी थी, लेकिन पुलिस ने तत्काल कोई एक्शन नहीं लिया। सोनू कुमार की तहरीर पर नामजद आरोपी जयप्रकाश दूबे, विकास पासी, संजय व सुनील को सोमवार को गिरफ्तार कर लिया गया। वहीं लापरवाही बरतने के आरोप में डीसीपी नगर ने पीपल गांव चौकी प्रभारी कुलदीप उपाध्याय को लाइन हाजिर कर दिया।

धर्मगुरु पर टिप्पणी करने में पूर्व पार्षद गिरफ्तार

प्रयागराज। एक धर्मगुरु के खिलाफ सोशल मीडिया पर आपत्तिजनक टिप्पणी करने के मामले में शाहगंज पुलिस ने मंगलवार की रात पूर्व पार्षद निजामुद्दीन को गिरफ्तार किया। पूर्व पार्षद को न्यायालय में पेश करने के बाद दो दिन की कस्टडी रिमांड पर लिया गया है। पुलिस के अनुसार दो दिन पहले पत्थरवाली गली में एक धार्मिक का कार्यक्रम आयोजित किया गया था। इस दौरान कुछ लोग धर्मगुरु के पैर छू रहे थे। आरोप है कि पूर्व पार्षद निजामुद्दीन ने सोशल मीडिया पर इसका वीडियो पोस्ट करते हुए आपत्तिजनक टिप्पणी की थी। इसकी जानकारी होने पर लोगों का गुस्सा फूट पड़ा। लोगों ने शाहगंज थाने में पूर्व पार्षद के खिलाफ तहरीर दी।

पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार करने के बाद न्यायालय के आदेश पर कस्टडी रिमांड पर लिया है। हालांकि पूर्व पार्षद ने शिकायत के बाद सोशल मीडिया से वीडियो डिलीट कर दिया था। शाहगंज थाना प्रभारी कपिल कुमार ने बताया कि धर्मगुरु की वीडियो पोस्ट कर आपत्तिजनक टिप्पणी करने के आरोप में पूर्व पार्षद निजामुद्दीन के खिलाफ विधिक कार्रवाई की गई है।

ऑफलाइन स्थानांतरण के लिए हाईकोर्ट जाने की तैयारी में शिक्षक

प्रयागराज। अशासकीय सहायता प्राप्त माध्यमिक विद्यालयों के 1540 शिक्षकों और प्रधानाचार्यों के ऑफलाइन स्थानांतरण न होने से विवाद गहराता जा रहा है। पीड़ित शिक्षकों ने हाईकोर्ट में याचिका करने की तैयारी शुरू कर दी है और इसके लिए विधिक राय भी ले रहे हैं। शिक्षकों का कहना है कि ऑफलाइन स्थानांतरण के लिए सरकार ने सात जून तक आवेदन मांगे थे और लगभग दो हजार शिक्षकों–प्रधानाचार्यों ने नियमानुसार समय से आवेदन किया। शासनादेश के अनुसार 27 जून तक स्थानांतरण सूची जारी होनी थी परन्तु सूची जारी नहीं हुई। उसके बाद शिक्षकों ने कई बार लखनऊ में धरना दिया लेकिन शिक्षा मंत्री के आश्वासन के बाद भी स्थानांतरण सूची जारी नहीं हो सकी है। ऐसे में शिक्षकों को अब हाईकोर्ट का विकल्प ही नजर आ रहा है। माना जा रहा है कि दशहरा की छुट्टी के बाद हाईकोर्ट खुलने पर याचिका दाखिल हो जाएगी।

डीएम ने समितियों की समस्या की ली जानकारी, समाधान के दिए निर्देश

प्रयागराज। डीएम मनीष कुमार वर्मा ने मंगलवार को दशहरा और दुर्गा पूजा समिति के पदाधिकारियों के साथ बैठक कर उनकी समस्या की जानकारी ली। उन्होंने अफसरों को इनकी समस्याओं का तत्काल समाधान करवा कर उसकी रिपोर्ट देने को कहा है। डीएम ने अफसरों से कहा कि अफसर यह सुनिश्चित करें कि समितियों को आयोजन में किसी तरह की दिक्कत का सामना न करना पड़े। डीएम ने यह बैठक आपके अपने अखबार हिन्दुस्तान के लोकप्रिय अभियान 'बोले प्रयागराज का संज्ञान लेते हुए बुलाई थी। 'बोले प्रयागराज के तहत सोमवार के अंक में 'दुर्गा पूजा महोत्सव कराएं या आखिरी समय तक हम फाइलें लेकर दौड़ते रहें शीर्षक से समिति के पदाधिकारियों की समस्या प्रमुखता से प्रकाशित की गई थी। पदाधिकारियों को मंगलवार की सुबह डीएम दफ्तर और संबंधित थाने से फोन कर इस बैठक की जानकारी दी गई। डीएम ने शहर तथा ग्रामीण क्षेत्रों में सड़कों की मरम्मत, नालियों की साफ–सफाई, प्रकाश व्यवस्था, पेयजल, पार्किंग की व्यवस्था सहित अन्य व्यवस्थाएं दुरुस्त कराने के लिए कहा। लोक निर्माण विभाग व नगर निगम के अधिकारियों को सड़कों की मरम्मत कराने के निर्देश दिए। विद्युत विभाग को निर्बाध विद्युत आपूर्ति की व्यवस्था कराने के साथ ही लटके जर्जर तारों की मरम्मत, खराब ट्रांसफार्मरों को बदलने, रास्तों पर लटकते पेड़ों की टहनियों की छंटाई कराने व नगर निगम को स्ट्रीट लाइटों को सही कराने के लिए कहा।

नगर निगम की गाड़ियां आबादी के पास कूड़ा कर रहीं डंप, दुर्गंध से लोग बेहाल

प्रयागराज। महाकुम्भ मेला के दौरान संगम और दारागंज क्षेत्र सर्वाधिक महत्वपूर्ण इलाकों में शामिल रहा। करोड़ों रुपये खर्च किए गए। सड़कों का चौड़ीकरण हुआ, नई सड़कें बनीं, पार्क बने, दर्शनीय स्थलों का सुंदरीकरण हुआ, जगह–जगह स्ट्रीट लाइट लगने से पूरा इलाका जगमग रहा, लेकिन मेला बीतने के बाद से ही अनदेखी और लापरवाही शुरू हो गई। महाकुम्भ के दौरान जो मोरी क्षेत्र तीर्थ यात्रियों से गुलजार रहा वहां से अब गंदगी और बदबू के कारण गुजरना मुश्किल हो रहा है। रोजाना नगर निगम की गाड़ियों में भर–भर कर कूड़ा यहां आ रहा है और बस्ती के पास ही डंप किया जा रहा है।

जिससे पुराने दारागंज रेलवे स्टेशन के नीचे कूड़े का अंबार लग गया है। कूड़े के कारण लोग कुम्भ मेला के दौरान बनी इस सड़क का उपयोग भी नहीं कर पा रहे हैं। आपके अपने अखबार 'हिन्दुस्तान ने 'बोले प्रयागराज के तहत मोरी के लोगों की परेशानी जानी तो वह नगर निगम की कार्यप्रणाली पर बिफर पड़े। कहा कि कचरे के कारण बीमारी फैलने का खतरा है। नगर निगम ही शहर को 'नरक बना रहा है। ऐसे में व्यवस्थाएं कैसे सुधरेंगी। दारागंज का मोरी मोहल्ला नगर निगम के जिम्मेदारों की अदूरदर्शिता के कारण बीमारी के मुहाने पर है। पिछले कुछ दिनों से यहां पुराने रेलवे स्टेशन के नीचे शहर का कूड़ा डंप किया जा रहा है। सुबह से कूड़ा गाड़ियां कूड़ा भर भर कर आती हैं और यहां गिरा कर चली जाती हैं। पूरे दिन यही क्रम चलता रहता है। जिससे सड़क किनारे कूड़े का अम्बार लग गया है। इतना कूड़ा जमा हो गया है कि लोगों ने इस रास्ते से आना–जाना बंद कर दिया है। गंदगी और बदबू के कारण गुरना मुश्किल हो रहा है। बारिश में भीगने के कारण सड़ रहे कूड़े की दुर्गंध बस्ती तक पहुंच रही है। मोरी मोहल्ले के लोग पहले से ही बाढ़ की समस्या से परेशान हैं, ऊपर से इस नई परेशानी ने उनकी नींद उड़ा दी है। बाढ़ प्रभावित क्षेत्र में कूड़े की भरमार से बीमारियां फैलने का डर सता

रहा है। स्थानीय लोग बस्ती के पास कूड़ा गिराए जाने से काफी नाराज हैं और लगातार शिकायत कर रहे हैं, लेकिन कोई सुनने वाला नहीं है। सीएम पोर्टल पर भी इसकी शिकायत दर्ज कराई गई, लेकिन न वहां से कूड़ा हट रहा है न कूड़ा डंप करना ही बंद किया गया है। लोगों का कहना है कि बस्ती के पास कूड़ा नहीं गिराया जाना चाहिए, लेकिन नगर निगम मनमानी कर रहा है। कूड़े की टाल बन गई है। मोरी मोहल्ले के लोग महाकुम्भ मेला के बाद गंदगी और मच्छरों को लेकर काफी परेशान थे। गंगा का जलस्तर बढ़ने पर बाढ़ से परेशान हुए। पिछले दिनों जब बाढ़ का पानी उतरा तो गंदगी और कीचड़ की समस्या से घिर गए। अब बस्ती के पास कूड़ा डंप करने की नई समस्या उनके सामने आ खड़ी है। जलभराव ने बढ़ाई परेशानी मोरी से रामदेशिक स्कूल की तरफ जाने वाली नई बनी सड़क के किनारे जमा बारिश का पानी मुसीबत बढ़ा रहा है। सड़क के एक तरफ कूड़ा फेंका जा रहा है तो एक तरफ गंदा पानी भरा है। इससे लोगों की परेशानी और बढ़ गई है। लोग सफाई व्यवस्था दुरूस्त कर दवा के छिड़काव व नियमित फॉगिंग कराने की मांग कर रहे हैं, लेकिन नगर निगम सुन ही नहीं रहा है। जलभराव के कारण मच्छर जनित बीमारियां फैलने का खतरा बना हुआ है। बस्ती के पास फेंके जा रहे मृत जानवर कूड़े के ढेर के बीच जानवरों के शव फेंके जाने से आसपास तेज दुर्गंध फैल रही है। शवों को कुत्ते नोचते रहते हैं। आसपास रहने वालों के पास कोई चारा न होने से मजबूर हैं। नगर निगम के जिम्मेदार ही सुनवाई नहीं कर रहे हैं।

शहर के कूड़े का निस्तारण करने के लिए बसवार में प्लांट है और सख्त निर्देश है कि कूड़ा कहीं अन्यत्र न गिराया जाए। इसके बावजूद यदि मोरी दारागंज के पास कूड़ा डाला जा रहा है तो इसकी जांच करा कर जवाबदेही तय की जाएगी। निर्देश का उल्लघंन करने वालों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। –दीपेन्द्र यादव, अपर नगर आयुक्त, नगर निगम। हमारी भी सुनें करीब पंद्रह दिनों से कूड़ा गाड़ियां आती हैं और कूड़ा यहां गिरा कर चली जाती हैं। इतना कूड़ा जमा हो गया है कि बदबू बस्ती तक आ रही है। इस समस्या से सब परेशान हैं। –मनीष यादव हम लोग बाढ़ के कारण ऐसे ही परेशान हैं, ऊपर से नगर निगम यहां कूड़ा डंप करवा रहा है, जिससे काफी दिक्कतें हो रही हैं। इसे न रोका गया तो बीमारी फैलना तय है। –सोनू गोस्वामी कई दिन से यहां कूड़ा डंप किया जा रहा है। कूड़े का ढेर लग गया है। बारिश में कूड़ा भीगने से सड़न पैदा हो रही है। बदबू के कारण रहना दुश्वार हो गया है। –संजय कुमार जब यहां कूड़ा गिराना शुरू हुआ तभी से हम लोग इसका विरोध कर रहे थे, लेकिन हमारी परेशानियों पर ध्यान नहीं दिया गया। इससे समस्या गंभीर हो गई है। –ऋषभ यादव कूड़े के निस्तारण के लिए नगर निगम ने केंद्र बनाए हैं तो कूड़ा यहां क्यों फेंका जा रहा है। हम लोग बराबर शिकायत कर रहे हैं, लेकिन कूड़ा फेंकना बंद नहीं कराया जा रहा है। –देवेन्द्र निषाद यह सड़क बनी थी तो काफी प्रसन्नता हुई थी, लेकिन यहां अब कूड़ा फेंका जा रहा है जिससे लोग यहां से आना जाना बंद कर दिए हैं। कूड़ा यहां बस्ती के पास नहीं गिराना चाहिए। –प्रेमशंकर हम लोग लगातार शिकायत कर रहे हैं, लेकिन ध्यान नहीं दिया जा रहा है। बस्ती के पास कूड़ा डंप करने से बीमारी फैलने का खतरा बना हुआ है। समस्या काफी गंभीर है। –सूर्यांश यादव पुराने रेलवे स्टेशन के नीचे इतना कूड़ा इकट्ठा हो गया है कि वहां से निकलना मुश्किल हो जाता है। गंदगी और बदबू के कारण लोग परेशान हैं, बीमारी फैलने का खतरा मंडरा रहा है। –अमित गुप्ता महाकुम्भ मेला बीतते ही हमारे क्षेत्र की अनदेखी शुरू कर दी गई है। पहले बड़े–बड़े लोग आकर बड़े–बड़े दावे करते थे, लेकिन अब कूड़ा डंप किया जा रहा है। समस्या काफी गंभीर हो गई है। –दीपक निषाद महाकुम्भ मेला बीतने के बाद हम लोग मच्छरों से काफी परेशान थे और अब यह नई समस्या खड़ी हो गई है। यहां कूड़ा डंप करना बंद न किया गया तो बीमारी कभी भी सिर उठा सकती है। –मोनू निषाद कूड़ा बस्ती के पास फेंका जा रहा है, जिसकी शिकायत कई बार की जा चुकी है। लेकिन कूड़ा डंप करना बंद नहीं हुआ। लगता है अधिकारी बीमारी फैलने का इंतजार कर रहे हैं। –सचिन कुमार हम लोग लगातार शिकायत कर रहे हैं, लेकिन अधिकारी संवेदनहीन बने हुए हैं जिससे समस्या का निदान नहीं हो पा रहा है। इस गंभीर समस्या का निदान बेहद जरूरी है। –सोनू निषाद यहां गंदगी के कारण बीमारी फैलने का खतरा मंडराने लगा है। लोग शिकायत कर रहे हैं लेकिन ध्यान नहीं दिया जा रहा है। इस समस्या का समाधान होना जरूरी है। –प्रमोद यादव बस्ती के पास कूड़े का ढेर लगा हुआ है, जिससे यहां बीमारी कभी भी फैल सकती है। जिम्मेदारों को इस पर ध्यान देकर कार्रवाई करनी होगी वरना स्थिति काफी बिगड़ जाएगी। –विनोद निषाद नगर निगम ने जब कूड़े के निस्तारण के लिए केंद्र बनाए तो वहां कूड़ा गिराने की बजाए यहां क्यों कूड़ा डंप किया जा रहा है। इससे पूरी बस्ती बीमारी की चपेट में आ जाएगी। –सुधीर निषाद इस समस्या से हम लोग कई दिन से परेशान हैं, लगातार शिकायत कर रहे हैं लेकिन अधिकारी सुन नहीं रहे हैं। इससे हमारी इस गंभीर समस्या का समाधान नहीं हो पा रहा है। –महेश निषाद

पत्नी ने रुपये देने से किया मना तो पति ने की आत्महत्या, झगड़े के बाद लगाई फांसी

प्रयागराज। यूपी के प्रयागराज में राजापुर के गंगानगर में पत्नी से झगड़े के बाद एक युवक ने सोमवार की रात फांसी लगाकर जान दे दी। पुलिस ने दरवाजे का लॉक तोड़कर शव को बाहर निकाला। युवक ने अपनी पत्नी से रुपये मांगे थे। इसको लेकर कहासुनी के बाद आत्महत्या करने की बात सामने आई है।

जानकारी के अनुसार करेली के सदियापुर निवासी मुन्नालाल रविदास का 27 वर्षीय बेटा गोपी रविदास कैंट क्षेत्र के गंगानगर में किराए का कमरा लेकर पत्नी व बेटी के साथ रहता था। वह मजदूरी कर परिवार का जीविकोपार्जन करता था। पुलिस के अनुसार, कॉल्विन अस्पताल में गोपी के परिवार का कोई सदस्य भर्ती था। उसे देखने के लिए सोमवार को अस्पताल में उसकी पत्नी, सास व परिवार के अन्य लोग गए थे। अस्पताल में गोपी ने अपनी पत्नी से कुछ रुपये की मांग की, लेकिन उसने देने से मना कर दिया। इसी बात को लेकर दोनों के बीच

झगड़ा हो गया।

अस्पताल से गोपी गंगानगर आवास पर पहुंचा और अंदर से दरवाजा बंद कर फांसी लगा ली। थोड़ी देर बाद जब परिजन आए तो दरवाजा बंद देख आवाज लगाई। कोई जवाब नहीं मिलने पर खिड़की से झांक कर देखा, तो गोपी फंदे से लटक रहा था। घटनास्थल पर पहुंची पुलिस ने दरवाजे का लॉक तोड़कर शव को बाहर निकाला। थाना प्रभारी सुनील कुमार ने बताया कि पूछताछ में पति–पत्नी के बीच कहासुनी की बात सामने आई है।

फंदे पर लटका मिला महिला का शव, जांच की मांग

झूंसी के हवेलिया निवासी एक महिला का शव कमरे में फंदे पर लटका मिला। आत्महत्या की सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा। मृतका के पिता ने तहरीर देकर पुलिस से जांच कर कार्रवाई की मांग की है। तीस वर्षीय आरती यादव पत्नी लाल साहब यादव मंगलवार की सुबह पूजा पाठ किया। इसके बाद कमरे में चली गई थी।

बताया गया कि उसने फांसी लगाकर खुदकुशी कर ली। मृतका के पिता धूमनगंज निवासी श्याम बाबू यादव ने आरोप लगाया कि आरती कि पति से अनबन चल रही थी। 2012 में आरती की शादी हुई थी। दो बच्चे हैं। पुलिस को पोस्टमार्टम का इंतजार है। हालांकि चर्चा यह भी रही कि आरती गंभीर बीमारी से पीड़ित थी।

मम्फोर्डगंज में दुर्गा पूजा को लेकर दो समितियों में छिड़ी रार

प्रयागराज। मम्फोर्डगंज में दुर्गा पूजा को लेकर दो समितियों के बीच रार छिड़ी हुई है। इससे अब तक तैयारी शुरू नहीं हो सकी है। दोनों समितियों ने सरस्वती पार्क में अनुमति मिलने का दावा किया है। दोनों समितियों का विवाद को कर्नलगंज थाने तक पहुंच गया। पुलिस दोनों पक्षों में समझौता कराने का प्रयास कर रही है। मम्फोर्डगंज के सरस्वती पार्क में पिछले दो साल से दुर्गा पूजा का आयोजन हो रहा है। इस बार आपसी विवाद की वजह से दुर्गा पूजा समिति दो फाड़ हो गई है। दोनों पक्ष को पुलिस की ओर से लिखित अनुमति भी मिल गई है। एक ही जगह दुर्गा पूजा आयोजन करने को लेकर अभी तक तैयारी भी शुरू नहीं होने से दोनों समितियों के बीच विवाद बढ़ गया। एक पक्ष की शिकायत पर मंगलवार को नगर निगम का अतिक्रमण हटाओ दस्ता पहुंच गया। पार्क में हाल ही में संपन्न हुए गणेश पूजा के पंडाल को हटाने लगी। इससे दूसरे पक्ष के लोगों ने विरोध जताया तो मामला कर्नलगंज थाने पहुंच गया। एक समिति के संरक्षक प्रदीप मुखर्जी उर्फ चुनमुन दादा ने बताया कि दो साल से एक ही समिति दुर्गा पूजा आयोजित करती आ रही है। हालांकि कुछ पदाधिकारियों की गलत प्रवृत्ति की वजह से उनसे समिति अलग कर ली गई है। पुलिस प्रशासन ने उनकी समिति को अनुमति दी है। उधर, दूसरे समिति के अध्यक्ष आकाश केसरवानी का कहना है कि उनकी समिति दो साल से पूजा करती आ रही है। कुछ लोगों ने साजिश के तहत नई समिति बनाकर पूजा करने का परमिशन ले लिया है। उधर, कर्नलगंज थाना प्रभारी राजेश उपाध्याय ने बताया कि दोनों समितियों को परमिशन मिला है। हालांकि दोनों समितियों के पदाधिकारियों को आपसी सहमति से एक साथ पूजा कराने का प्रयास किया जा रहा है।

प्रीतमनगर में दिखेगा बांके बिहारी मंदिर

प्रयागराज। प्रीतमनगर दुर्गा पूजा पार्क में इस बार जनमानस को वृंदावन के बांके बिहारी मंदिर का नजारा दिखेगा। पिछले वर्ष तेजस विमान की थीम पर हुए महोत्सव के समापन के एक महीने के भीतर ही दुर्गा पूजा समिति के मुख्य सचिव देवाशीष मजूमदार, अध्यक्ष अनूप चटर्जी व कोषाध्यक्ष अमित घोष ने महोत्सव के 40वें वर्ष की थीम बांके बिहारी मंदिर रखने का निर्णय लिया था। पार्क में चौदह अगस्त से कोलकाता से आए बीस कारीगर पंडाल का निर्माण कर रहे हैं। पंडाल की लंबाई 115 फीट, चौड़ाई 76 फीट व उसकी ऊंचाई 70 फीट है। पंडाल का निर्माण कार्य 24 सितंबर तक पूरा कर लिया जाएगा। पंडाल की आंतरिक साजसज्जा वृंदावन के मंदिर की तर्ज पर सुनील बरुआ की टीम कर रही है। पंडाल का ढांचा तैयार किया जा चुका है। पूजा पंडाल में नवरात्र की पंचमी तिथि को मातृ शक्तियों की ओर से आनंद मेला व पूजा का कार्यक्रम होगा। मुख्य सचिव ने बताया कि वर्ष 2023 में चंद्रयान तीन और वर्ष 2024 में तेजस विमान जैसी थीम पर पंडाल बनवाया गया था। इस वर्ष जनमानस को वृंदावन के मंदिर की भव्यता का एहसास कराने का प्रयास किया जा रहा है। षष्ठी तिथि पर मां दुर्गा दस फीट की प्रतिमा का प्राण प्रतिष्ठा का कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। उसके बाद मातृ शक्तियों की अगुवाई में महिषासुर मर्दिनी का मंचन किया जाएगा।

लुटेरे को पकड़कर थाने ले गया डिलीवरी बॉय, पुलिस ने 24 घंटे में ही आरोपी को छोड़ दिया

प्रयागराज। प्रयागराज से हैरान कर देने वाला मामला सामने आया है। जहां एक डिलीवरी बॉय से बदमाशों ने मोबाइल और वॉलेट छीन लिया। आरोप है कि युवक ने दो दिन पहले एक बदमाश को पकड़कर थाने में सौंप दिया। लेकिन पुलिस ने उसे छोड़ दिया। मंगलवार को युवक ने इस बात की जानकारी पुलिस अफसरों को दी। जिसके बाद महकमें में हड़कंप मच गया।

ये मामला धूमनगंज थाना क्षेत्र का है। मूलरूप से हमीरपुर के पाटनपुर के रहने वाला रितेश सिंह प्रीतम नगर में किराये के मकान में रहता है। साथ ही एक ई कॉमर्स कंपनी में बतौर डिलीवरी बॉय है।

युवक ने बताया कि 11 सितंबर की रात वह करीब 11 बजकर 50 मिनट पर एक ऑर्डर दकर बाइक से कालिंदीपुर जा रहा था। जब वह सुबेदारगंज रेलवे क्रांसिग के आगे पहुंचा तो वहां कुछ लोगों ने उसे जबरन रोक लिया। फिर हमला

कर पर्स, मोबाइल समेत अन्य वस्तुएं छीन लीं। युवक ने अगले दिन थाने जाकर लिखित शिकायत दी।

डिलीवरी बॉय ने अगले दिन कंपनी में का करने वाले अन्य लोगों को इस बात की जानकारी दी। जिसके बाद 13 सितंबर को रितेश ने ग्रुप बनाकर आरोपियों को पकड़ने की योजना बनाई। युवक उसी रास्ते दोबारा गया। वहां पहले से ही धाक लगाए बदमाशों ने एक बार फिर लूटपाट करने की कोशिश की। लेकिन पीछे से डिलीवरी बॉय के साथियों ने उसे एक लूटेरे को धर दबोचा। फिर उसे थाने ले जाकर सौंप दिया।

आरोप है कि दो दिन बाद जब वह थाने गया तो पुलिस ने उसे डांट दिया और कहा कि उसने गलत आदमी को लेकर चला आया है।

पुलिस ने आरोपी को छोड़ दिया। वहीं, इस मामले में धूमनगंज थाना प्रभारी अमरनाथ राय के मुताबिक डिलीवरी बॉय ने गलत गलत युवक को लेकर आया था। घटना में संलिप्तता नहीं होने के कारण से छोड़ दिया गया।

भागीरथ संस्थान ने चलाया स्वच्छता अभियान

प्रयागराज। भागीरथ सहयोग सेवा संस्थान की ओर से मंगलवार को संगम नोज और बड़े हनुमान मंदिर पर स्वच्छता अभियान चलाया गया। राष्ट्रीय सचिव अवनीश सिंह चंदेल के नेतृत्व में स्वयं सेवकों ने पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। बड़े हनुमान मंदिर के महंत बलवीर गिरि ने स्वच्छता अभियान की सराहना की। चंदेल ने कहा कि गंगा को स्वच्छ बनाए रखना सामूहिक जिम्मेदारी है। संस्थान की ओर से पर्यावरण को स्वच्छ रखने के निरंतर अभियान चलाया जा रहा है।

आरेडिका में श्रद्धा एवं उल्लास से मनाया गया विश्वकर्मा पूजन समारोह

रायबरेली। आरेडिका में आज दिनांक 17.09.2025 विश्वकर्मा पूजा का विधि–विधान के साथ आयोजन किया गया। जिसमें आरेडिका महाप्रबंधक प्रशान्त कुमार मिश्रा ने सभी प्रधान मुख्य विभागाध्यक्षों, वरिष्ठ एवं कनिष्ठ अधिकारियों, कर्मचारी प्रतिनिधि यूनियनों, एसोसिएशनों तथा आरेडिका महिला कल्याण संगठन की सभी सदस्याओं के साथ विश्वकर्मा पूजा कर कारखाने की

उन्नति, विकास एवं सुरक्षा की कामना की तथा अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने हवन में आहुतियां देकर भगवान विश्वकर्मा से विश्व शान्ति एवं कल्याण के लिए प्रार्थना की। आरेडिका के कर्मचारियों ने अपने–अपने कार्य स्थल पर साफ–सफाई कर भगवान विश्वकर्मा की तस्वीर पर माला एवं फूल चढाकर औजारों और मशीनों की पूजा की तथा सभी कर्मचारियों तथा उनके परिवार के सदस्यों एवं संविदा कर्मियों के लिए नव निर्मित बोगीशॉप में विशाल भण्डारे की व्यवस्था की गयी। आरेडिका प्रशासन तथा रेलवे सुरक्षा बल द्वारा लोगों के आवागमन के लिए विशेष इंतजाम किये गये। जिससे आगुन्तकों को किसी भी प्रकार की अव्यवस्थाओं का सामना न करना पड़े।

इंडियन बैंक राजभाषा कीर्ति पुरस्कार से सम्मानित

गांधीनगर में पंचम अखिल भारतीय राजभाषा सम्मेलन में हिन्दी दिवस समारोह में मिला सम्मान

प्रयागराज। आजकल की तस्वीर प्रयागराज देश के सार्वजनिक क्षेत्र के अग्रणी बैंक, इंडियन बैंक को गुजरात के गांधीनगर में आयोजित पंचम अखिल भारतीय राजभाषा सम्मेलन 2025 के दौरान आयोजित हिंदी दिवस समारोह में वर्ष 2024–25 के लिए राजभाषा कीर्ति तृतीय पुरस्कार से सम्मानित किया गया है।

इंडियन बैंक को यह पुरस्कार राजभाषा कार्यान्वयन के क्षेत्र में श्रेष्ठ प्रदर्शन करने के लिए लगातार दूसरे वर्ष प्राप्त हुआ है। गांधीनगर के महात्मा मंदिर कन्वेंशन एवं एग्जिबिशन सेंटर में आयोजित दो दिवसीय पंचम अखिल भारतीय राजभाषा सम्मेलन के प्रथम दिन हिन्दी दिवस समारोह–2025 में केन्द्रीय मंत्री श्री अर्जुन राम मेघवाल और राज्यसभा सांसद डॉ. दिनेश शर्मा के कर कमलों से इंडियन बैंक के कॉर्पोरेट कार्यालय में राजभाषा विभाग के महाप्रबंधक श्री मनोज कुमार दास ने ग्रहण किया। यह पुरस्कार बैंक की राजभाषा नीति के सफल कार्यान्वयन और बैंकिंग कामकाज में राजभाषा हिंदी को लागू करने में प्रतिबद्धता को प्रदर्शित करता है। इंडियन बैंक सदैव ष्ग्राहक की भाषा में ग्राहक सेवाष की भावना के साथ देशभर में बैंकिंग सेवाएं प्रदान करने के लिए समर्पित है।

स्वास्थ्य शिक्षा एवं स्वास्थ्य परिक्षण सिविल का आयोजन

प्रयागराज । इलाहाबाद विश्वविद्यालय प्रयागराज के संघटक महाविद्यालय ईश्वर शरण पी.जी.कॉलेज में आज दिनांक 17 सितंबर 2025 को महाविद्यालय के वूमेन सेल एवं राष्ट्रीय सेवा योजना तथा नेशनल मेडिकोज आर्गेनाइजेशन के संयुक्त तत्वावधान में 'स्वास्थ्य शिक्षा और स्वास्थ्य परीक्षण शिविर' का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के संयोजक महाविद्यालय एनएसएस प्रभारी डॉ अरविंद कुमार मिश्र ने अतिथियों का स्वागत एवं विषय प्रवर्तन करते हुए कहा पोषण एवं संरक्षण हमारी संस्कृति का मुख्य उद्देश्य है। आज ही के दिन 2018 में राष्ट्रीय पोषण माह की शुरुआत राजस्थान के झुंझुनू जिले से प्रधानमंत्री द्वारा की गई थी तथा अखिल भारतीय स्तर पर आज माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी द्वारा आठवें पोषण माह के अंतर्गत सेवा पखवाड़ा की शुरुआत मध्य प्रदेश के धार से की जा रही है। जिसकी थीम ष्स्वस्थ नारी सशक्त परिवार विकसित भारत का आधारष है। कार्यक्रम समन्वयिका और भी वूमेन सेल की संयोजिका प्रोफेसर अमिता पांडेय ने प्रबोधित किया कि इस प्रकार के कार्यक्रम जनमानस में स्वास्थ्य संबंधी जागरूकता बढ़ाते हैं, बीमारियों की समय रहते पहचान में मदद करते हैं, निवारक उपायों की जानकारी देते हैं ऐसे शिविर स्वस्थ समाज के निर्माण और जीवन शैली सुधारने में सहायक होते हैं। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे महाविद्यालय के प्राचार्य प्रोफेसर आनंद शंकर सिंह ने कहा कि स्वास्थ्य शिक्षा और स्वास्थ्य परीक्षण शिविर का महत्व समाज के लिए अत्यंत आवश्यक है, स्वास्थ्य शिक्षा लोगों में लोगों की रोकथाम,स्वास्थ्य और पोषण संबंधी जागरूकता बढ़ती है, वहीं स्वास्थ्य परीक्षण शिविर से सामान्य बीमारियों का प्रारंभिक स्तर पर पता लगा कर समय पर उपचार संभव किया जा सकता है। यह न केवल व्यक्तियों को स्वस्थ जीवन की ओर प्रेरित करता है बल्कि समाज में सामूहिक स्वास्थ्य स्तर को भी बेहतर बनाता है। कार्यक्रम में डॉक्टर वंदना ओझा सह आचार्य स्त्री एवं प्रसूति रोग विभाग मोतीलाल नेहरू मेडिकल कॉलेज प्रयागराज का ष्अर्ली डायग्नोसिस आफ ब्रेस्ट एंड सर्वाइकल कैंसरष विषयक संवाद सत्र आयोजित किया गया जिसमें सहभागियों के रोग नियंत्रण हेतु जागरूकता, प्रारंभिक पहचान, मानसिक संबंध और सही उपचार संबंधित मार्गदर्शन प्रधान किया गया। जिससे रोग नियंत्रण, आत्मविश्वास और जीवन की गुणवत्ता में सुधार संभव हो सके। कार्यक्रम के द्वितीय सत्र में डॉ बंदना ओझा एवं उनकी टीम के सदस्य डॉ गरिमा, डा आकांक्षा पांडे, डॉ सुधांशु द्वारा स्वास्थ्य परीक्षण शिविर का आयोजन किया गया शिविर में उपस्थित सभी प्रतिभागियों की जांच एवं परामर्श के पश्चात विटामिन सी, विटामिन डी आयरन, फोलिक एसिड की दवा तथा सेनेटरी पैड वितरित किया गया।

लोकपाल समाज शेखर ने अति प्राचीन खुईलन झील के पुनरोद्धार कार्यों का भ्रमण कर किया निरीक्षण

लौट रही हरियाली, पनप रही जैव विविधता : समाज शेखर

मनरेगा चौपाल में ग्रामीणों व मजदूरों की सुनी समस्यायें/मौके पर किया निस्तारण/ दिया जरूरी निर्देश

ग्राम पंचायत नेवाडी, मधुपुर व सराय बाबू के सभी मनरेगा मजदूरों को भौतिक रूप से जाब कार्ड देने का बीडीओ को दिया निर्देश

प्रतापगढ़। लोकपाल मनरेगा समाज शेखर प्राण ने जनपद की अति प्राचीन खुईलन झील क्षेत्र का व्यापक भ्रमण कर निरीक्षण किया। झील व सकरणी नदी के उदगम स्थल पर मनरेगा द्वारा हुए कार्यो का ग्राम पंचायतों ने निरीक्षण कराया। बरसात में क्षति ग्रस्त हुए बंधो, मार्गो को दुरुस्त किये जाने का निर्देश देते हुए लगाए गए पौधों का संरक्षण व सुव्यवस्था मनरेगा द्वारा नीयमानुसार निरंतर किये जाने की सलाह दी।

लोकपाल ने खुईलन देवी धाम का दर्शन मंदिर व्यवस्था समिति के साथ किया। उन्होंने झील के किनारे सभी के साथ मिलकर पौध रोपण भी किया। झील का निरीक्षण करते हुए लोकपाल ने झील को जल कुंभी मुक्त किये जाने हेतु जन सहयोग तथा लोक भागीदारी से प्रयास किये जाने हेतु सभी को प्रेरित किया। स्वच्छता अभियान चलाये जाने का सुझाव दिया।

लोकपाल ने कहा की झील से स्थानीय लोगो को रोजगार व आजीविका के अवसर मिल सकते है, जरूरत है सामूहिक विचार निर्णय व पहल की। उन्होंने आजीविका मिशन की योजनाओ से जोड़ने हेतु खंड विकास अधिकारी से अपेक्षा करते हुए कहा की यह झील पूरे जनपद का महत्व बढायेगी इसमें पूरे मनोभाव से योगदान की आवश्यकता है।

लोकपाल समाज शेखर ने कहा की पुनरोद्धार के प्रयास से आस पास की नैसर्गिक हरियाली फैल रही है वहीं जलीय जीव जंतुओ व बनस्पतियों से जैव विविधता सहज पनप रही है। उन्होंने मनरेगा चौपाल में ग्रामीणों व मजदूरों की सुनी समस्यायें। अधिकतर का मौके पर ही निस्तारण किया गया । अपेक्षित कार्यवाही हेतु संबंधित को जरूरी निर्देश दिया गया। मजदूरों द्वारा बताया गया की हमारा जाब कार्ड हमारे पास नही है। सभी ने जाब कार्ड की मांग की। लोकपाल ने ग्राम पंचायत नेवाडी, मधुपुर व सराय बाबू के सभी मनरेगा मजदूरों को भौतिक रूप से अविलंब जाब कार्ड उपलब्ध कराया जाना सुनिश्चित करने का निर्देश सम्बन्धित ग्राम सचिव व खंड विकास अधिकारी मांधाता को दिया। वहीं ग्राम वासियों के मांग पर लोकपाल ने नवरात्रि में पुनः धाम पर आने का वायदा किया।

मनरेगा चौपाल में पर्यावरण सेना के अध्यक्ष अजय क्रांतिकारी ने ओजोन परत के संरक्षण मे जन जन की भूमिका को रेखांकित करते हुए झील व नदी संरक्षण के प्रति सभी को चौतन्य किया। चौपाल मे थानाध्यक्ष जेठवारा सुभाष यादव ने प्रतिभाग कर सहयोग प्रदान किया। बिसर्जन तालाब की समस्या पर सभी से चर्चा कर स्थाई समाधान किया गया।

इस अवसर पर प्रमुख रूप से भयहरण नाथ धाम के अध्यक्ष आचार्य राज कुमार शुक्ल, प्रधान मधुपुर, इंजमामुद्दीन, प्रधान नेवारी अनिल यादव व सचिव ओम प्रकाश, अग्रणी किसान नेता अभय प्रताप सिंह , पत्रकार प्रभाकर राय, धर्मेंद्र पटेल, सामाजिक कार्यकर्ता नमन तिवारी सहित ग्राम के संभ्रांत नागरिक व मनरेगा कर्मी व मजदूर आदि उपस्थित रहे।

सी०एम०पी० डिग्री कॉलेज, प्रयागराज के हिन्दी–विभाग की कर्मशाला का दूसरा दिन

उत्तरपुस्तिका चेक नहीं की जाती, उसका परीक्षण किया जाता हैः आचार्य पं. पृथ्वीनाथ पाण्डेय

प्रयागराज। सी० एम० पी० डिग्री कॉलेज के हिन्दी–विभाग की ओर से श्भाषा–विशेषज्ञश के रूप मे आमन्त्रित व्याकरणवेत्ता और भाषाविज्ञानी आचार्य पं० पृथ्वीनाथ पाण्डेय की त्रिदिवसीय कर्मशाला के दूसरे दिन १७ सितम्बर को यह बताया गया कि कोई व्यंजन पूर्णता की प्राप्ति कैसे करता है। व्यंजन तो लँगड़ा होता है, जब उसे स्वर की बैसाखी मिलती है तब वह चलने मे समर्थ दिखता है। आचार्य ने बताया और समझाया कि कौन–सा वाक्य अशुद्ध है और कौन–सा शुद्ध, इन्हें समझने के लिए व्याकरण का कौन–सा नियम उपयोगी होता है। श्उनके लिये हमने दो फल लिए।श उन्होंने इस वाक्य का लेखन करते हुए, बताया कि किसी वाक्य मे सबसे पहले कर्त्ता, फिर कर्म, उसके बाद यदि पूरक शब्द हो तो उसे लिख लिया जाता है और अन्त मे क्रिया का प्रयोग किया जाता है। इतना ही नहीं, उन्होंने इसी वाक्य को शुद्ध करते हुए, अविकारी शब्द अव्यय (लिए) और विकारी शब्द (लिये) क्रिया का उपयुक्त प्रयोग बताया। इसके लिए उन्होंने अव्यय–शब्द शलिएश और क्रिया–शब्द शलियेश को सोदाहरण समझाया।

आचार्य ने प्रश्न किया थादृ कुल वर्णमालाओं की संख्या कितनी है? इस प्रश्न को विद्यार्थी समझ न सके, फलतरू अनुपयुक्त उत्तर दिये थे, फिर उन्होंने बताया तब समझ पाये। इसी अवसर पर छात्र–छात्राओं से कवर्ग का लेखन कराया गया था। उन्होंने जब विद्यार्थियों से नियमपूर्वक स्पर्शी व्यंजन सुनाने के लिए कहा तब कोई विद्यार्थी शुद्धतापूर्वक सुना न सका, फिर आचार्य ने सुनाया और उसमे पंचम वर्ण की कितनी उपयोगिता और महत्ता है, इसका ज्ञान कराया।

अपनी कर्मशाला के दूसरे दिन आचार्य पं० पृथ्वीनाथ पाण्डेय ने बताया कि किसी भाव वा रस का अलग से बहुवचन नहीं बनाया जा सकता। उन्होंने सुख–दुरूख, प्रसन्नता, हर्ष, बधाई, शुभकामना, आशीर्वाद इत्यादिक शब्दों का उदाहरण दिया। आचार्य ने एक परम्परा से चले आ रहे शब्दप्रयोग को अशुद्ध सिद्ध करते हुए बताया कि मिष्टान्न, पश्चात्ताप, प्रायश्चित्त, सर्जन, गमनागमन, शत–शत, बधाई, शुभकामना आदिक शब्द ही शुद्ध हैं। उन्होंने श्बड़ाश और श्बहुतश विशेषण–शब्दों का व्यवहार कहाँ–कहाँ और क्यों होता है, इसके आधार पर आकारात्मक और मात्रात्मक बोध कराया। इन्हें बताया। उन्होंने, श्हीश और श्केवलश, श्मात्राश इत्यादिक के समुचित प्रयोग को समझाया। आरम्भ, प्रारम्भ, समारम्भ, आवास, प्रवास, निवास, आप्रवास, अनिवास आदिक शब्दों के सोदाहरण ज्ञान कराये। उन्होंने आवेदनपत्र का लेखन करते समय श्कृपयाश और श्कृपाश के प्रयोग पर प्रकाश डाला था।

आचार्य पं० पृथ्वीनाथ पाण्डेय ने विद्यार्थियों को बताया कि प्रतियोगिता और प्रतिस्पर्द्धा मे क्या अन्तर है। उन्होंने परीक्षा–परिक्षा, बाह्य–वाह्य, व्यंग्य–व्यंगदृ इन शब्दों की वर्तनी को शुद्ध बताते हुए, इनका अर्थ–विस्तार किया। उन्होंने परीक्षा और निरीक्षा, परीक्षक–निरीक्षक को भी समझाया। उनका कहना था कि उत्तरपुस्तिका श्चेकश नहीं की जाती, बल्कि उसका श्परीक्षणश किया जाता है। परीक्षा अन्तरू है और निरीक्षा बाह्य।

आचार्य ने अपने एक वाक्य–प्रयोग मे यह बताया कि फूल नहीं खिलते, कलियाँ खिलती हैं, जो फूल का रूप ग्रहण करती हैं। उसी तरह से श्रुईश की खेती नहीं होती, श्कपासश की होती है। इसप्रकार आचार्य ने एक–के–बाद कई शुद्ध शब्दों के विषय मे बताया। उन्होंने कई प्रकार के वाक्य और शब्दों के विषय मे बताये, समझाये तथा लिखाये थे। कई विद्यार्थी थे, जिनमे सीखने के प्रति रुचि और लगन दिख रही थी।

ब्रह्मलीन महंत अवैद्यनाथ महाराज जी की 11वी पुण्यतिथि पर संगोष्ठी एवं समरसता सहभोज संपन्न

प्रयागराज। विश्व हिंदू महासंघ प्रयागराज के जिला अध्यक्ष बृजेंद्र त्रिपाठी उर्फ मुन्ना भैया अध्यक्षता में पूर्व सांसद और पूर्व गोरक्ष पीठाधीश्वर अवैद्यनाथ महाराज जी की 11वीं पुण्यतिथि के अवसर पर एक भव्य समरसता भोज का आयोजन किया। यह कार्यक्रम जिला कचहरी के पास स्थित लोक निर्माण भवन के संघ हॉल में संपन्न हुआ, जहाँ कार्यकर्ताओं और समाज के विभिन्न वर्गों के लोग एकत्रित हुए। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में मंडल प्रभारी अनुज सिंह एडवोकेट, प्रदेश उपाध्यक्ष मातृशक्ति नीलम गिरी, डॉ. सुदर्शनाचार्य जी महाराज (पीठाधीश्वर) और सुदर्शन जी महाराज (परशुराम अखाड़ा पीठाधीश्वर) ने दीप प्रज्वलन कर कार्यक्रम की शुरुआत की। कार्यक्रम के दौरान जिलाध्यक्ष बृजेन्द्र त्रिपाठी मुन्ना भैया ने सभी अतिथियों का तहे दिल से स्वागत किया और उन्हें सम्मान स्वरूप माला, अंगवस्त्र और राम दरबार की प्रतिमा भेंट की।

समरसता भोज के इस ऐतिहासिक आयोजन में, महामंत्री श्री श्याम सूरत पाण्डेय ने कार्यक्रम का कुशल संचालन किया। साथ ही, इस अवसर पर समाज के विभिन्न क्षेत्रों में कड़ी मेहनत करने वाले कार्यकर्ताओं का भी सम्मान किया गया, जिनमें प्रमुख रूप से एडवोकेट गौरव मिश्रा, एडवोकेट ज्योति निषाद, नेहा मिश्रा, एडवोकेट तान्या मिश्रा, एडवोकेट जागृति, एडवोकेट दीपिका श्रीवास्तव, इंजीनियर उत्कर्ष श्रीवास्तव, मनोज चौधरी, रवि पाल, विनीत पाल, रामेश्वर मिश्रा, आशीष द्विवेदी, विभा मिश्रा, एडवोकेट अनुपम लोरेया, एडवोकेट सत्यप्रकाश गुप्ता, एडवोकेट आकाश मौर्य, विष्णु पांडेय, आचार्य आम्भुज पांडेय, आचार्य ज्ञान शास्त्री जी, अनुराध गिरी, अतुल खाना, और क्रांतिकारी शुशील गौतम शामिल थे।

इस भव्य आयोजन में लगभग 200 मातृशक्ति और 200 पुरुष भाईयों ने सक्रिय रूप से हिस्सा लिया और कार्यक्रम को सफल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य समाज में एकता, समरसता और हिंदू समाज की सशक्तता को बढ़ावा देना था। जिलाध्यक्ष श्री बृजेन्द्र त्रिपाठी मुन्ना भैया ने इस सफल आयोजन के लिए सभी मातृशक्ति और पुरुष भाईयों का दिल से आभार व्यक्त किया। उनके अथक प्रयासों और समर्थन के कारण यह कार्यक्रम न केवल सफल हुआ, बल्कि हिंदू समाज में एक नई चेतना और जुड़ाव की भावना पैदा की। यह आयोजन सामाजिक समरसता और भाईचारे का प्रतीक बनकर उभरा और हिंदू समाज को एकजुट करने की दिशा में एक मील का पत्थर साबित हुआ।

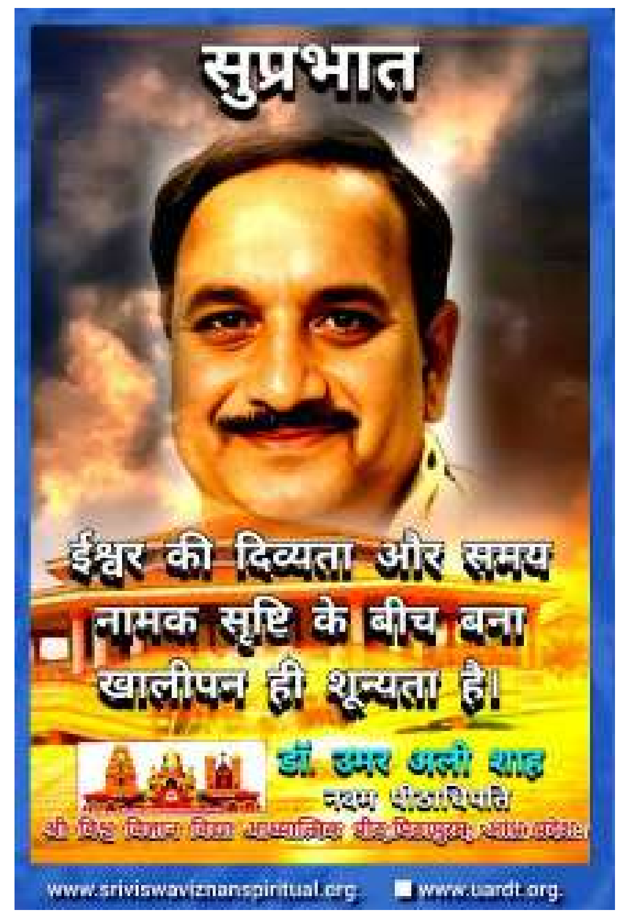

चमेली

(कुण्डलिया)

फूल चमेली पर दिखा, अद्भुत एक निबन्ध।
औषधि बन सेवा करे, अंतस भरे सुगन्ध।
अन्तस भरे सुगन्ध,भाव निर्मल यह रखकर।
गमके सारा जगत, दिखे सुन्दर सब तरुवर।
सुन लो कहें प्रदीप, देख इसकी अठखेली।
दिल का बने सकून,मनोरम फूल चमेली।।

निर्मलता के साथ ही, जीत प्रकृति विश्वास।
फूल चमेली लिख रही, अपना खुद इतिहास।
अपना खुद इतिहास,समाहित जिसमें उपवन।
खुशबू का संसार, बना है जिसका उदयन।
सुन लो कहें प्रदीप, पंखुरी की कोमलता।
अहंकार से दूर, महक में है निर्मलता।।

डॉ. प्रदीप चित्रांशी
लूकरगंज, प्रयागराज

AISMNF ने पत्रकारों के लिए रेल यात्रा में छूट की बहाली एवं समाचार पत्रों पर लेवी शुल्क के विरोध में उठाई आवाज

मेरठ/लखनऊ। ऑल इंडिया स्मॉल एंड मीडियम न्यूजपेपर्स फेडरेशन ने रेल यात्रा में छूट पुनः लागू करने व समाचार पत्रों को लेवी शुल्क से मुक्त रखने की मांग की है। फैडरेशन के प्रदेश उपाध्यक्ष मुकेश गोयल ने मेरठ में एक विज्ञप्ति में जानकारी दी है कि रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव को पत्र लिखकर पत्रकारों को रेल यात्रा में मिलने वाली छूट को फिर से बहाल करने की मांग की है। फेडरेशन ने कहा है कि कोरोना महामारी के दौरान यह सुविधा समाप्त कर दी गई थी, लेकिन अब महामारी का प्रभाव खत्म हो चुका है और आम जनजीवन पटरी पर लौट आया है। ऐसे में पत्रकारों को पूर्व की तरह रेल यात्रा में छूट की सुविधा फिर से शुरू की जानी चाहिए।

सरकार से इस दिशा में आवश्यक दिशा–निर्देश जारी करने और पत्रकारों को रेल यात्रा में छूट का लाभ दुबारा देने की अपील की है।

समाचार पत्रों पर लेवी शुल्क का विरोध

भारतीय प्रेस परिषद द्वारा समाचार पत्रों पर लगाए जा रहे लेवी शुल्क का भी विरोध किया है। फेडरेशन ने परिषद को पत्र लिखकर मांग की है कि 25 हजार प्रसार संख्या तक के समाचार पत्रों को लेवी शुल्क से पूरी तरह मुक्त रखा जाए। फेडरेशन का कहना है कि नियमों के अनुसार कुल प्रिंटेड प्रतियों पर लेवी शुल्क नहीं लगना चाहिए, बल्कि सिर्फ सर्कुलेटेड प्रतियों पर ही यह शुल्क लागू हो। साथ ही, विज्ञापन दर का निर्धारण भी सर्कुलेशन के आधार पर ही होना चाहिए। राष्ट्रीय महासचिव अशोक कुमार नवरत्न व प्रदेश अध्यक्ष शोएब अहमद ने परिषद से इस संबंध में आवश्यक कार्रवाई करने की अपील की है।

योगी सरकार ने किया छह विशेष सचिव का तबादला

लखनऊ, संवाददाता। उत्तर प्रदेश की योगी सरकार ने एक बार फिर बड़ा फेरबदल किया है। छह विशेष सचिवों के तबादले किए गए हैं। इस तबादले का उद्देश्य विभिन्न विभागों में कार्यदक्षता बढ़ाना, नीतियों के क्रियान्वयन को प्रभावी बनाना, और प्रशासनिक प्रणाली को और अधिक चुस्त–दुरुस्त बनाना है। जारी आदेश के मुताबिक प्रभात कुमार विशेष सचिव चिकित्सा शिक्षा दीपक कोहली विशेष सचिव लोक निर्माण सर्वेश कुमार सिंह विशेष सचिव कृषि विभाग अनिल कुमार सिंह विशेष सचिव नियोजन विभाग शिवाजी सिंह विशेष सचिव खाद्य रसद विभाग और राजाराम द्विवेदी विशेष सचिव राजस्व विभाग बनाये गये हैं। सरकार ने प्रभात कुमार को विशेष सचिव, चिकित्सा शिक्षा विभाग बनाया है। प्रदेश में चिकित्सा शिक्षा को लेकर लगातार सुधारात्मक प्रयास हो रहे हैं। प्रभात कुमार को इस दिशा में बेहतर कार्यों की जिम्मेदारी दी गई है। माना जा रहा है कि इस बदलाव से मेडिकल कॉलेजों और शैक्षणिक संस्थानों के कामकाज में सुधार आएगा। दीपक कोहली को विशेष सचिव, लोक निर्माण विभाग के रूप में तैनात किया गया है। यह विभाग सड़क निर्माण और इंफ्रास्ट्रक्चर से संबंधित कार्यों के लिए बेहद अहम माना जाता है। दीपक कोहली को इस क्षेत्र में अनुभव रखने वाला अधिकारी माना जाता है।सर्वेश कुमार सिंह को कृषि विभाग में विशेष सचिव बनाया गया है। यह तैनाती किसानों के हित में चलाई जा रही योजनाओं को प्रभावी ढंग से लागू करने की दृष्टि से महत्वपूर्ण है। अनिल कुमार सिंह को नियोजन विभाग में भेजा गया है। इस विभाग का संबंध राज्य की विकास योजनाओं और बजट नियोजन से है।

सम्पादकीय.......

प्रदूषण के पटाखे

भारत जैसा देश, जो दुनिया भर के प्रदूषित देशों में पांचवें नंबर पर हो, जहां दुनिया का सबसे ज्यादा प्रदूषित शहर हो और तेरह अन्य शहर दुनिया के शीर्ष बीस प्रदूषित शहरों में शुमार हों, वहां हवा को जहरीला बनाने वाले पटाखे निरंकुश रूप से जलाना एक आत्मघाती कदम ही है। लेकिन विडंबना यह कि इस मुद्दे पर गंभीर चर्चा केवल दिल्ली के प्रदूषण और पटाखों पर अंकुश लगाने को लेकर होती है। इस स्थिति में दिल्ली व राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में पटाखों पर अंकुश लगाने के संदर्भ में देश की शीर्ष अदालत की टिप्पणी संवेदनशील और मार्गदर्शक है। कोर्ट ने सख्त लहजे में कहा कि यदि साफ वायु राष्ट्रीय राजधानी के विशिष्ट लोगों का हक है तो यह हक शेष देश के हर व्यक्ति को भी मिलना चाहिए। वैसे तो राष्ट्रीय राजधानी में वायु दूषित होने के तमाम कारक हैं,लेकिन पटाखों से होने वाले प्रदूषण की चर्चा गाहे–बगाहे होती है। खासकर कुछ प्रमुख त्योहारों के मौके व निजी समारोहों में जलाये जाने वाले पटाखों को लेकर लगातार सवाल उठाये जाते हैं। इसकी वजह यह है कि यह प्रदूषण का ऐसा कारण है जिससे बचा जा सकता है। लेकिन यह भी हकीकत है कि दिवाली आदि के मौके पर हवा की गुणवत्ता में भारी गिरावट देखी जाती है। सवाल यह है कि हम लोग क्यों नहीं सोचते कि हमारे पटाखे जलाने से श्वास रोगों से जूझते तमाम लोगों का जीना दुश्वार हो जाता है। यह एक हकीकत है कि देश के तमाम शहरों में हवा ही नहीं, पानी व मिट्टी तक में जहरीले तत्वों का समावेश हो चुका है। जो न केवल हमारी आबोहवा के लिये बल्कि हमारे शरीर के लिये भी घातक साबित हो रहा है। यही वजह है कि हाल के वर्षों में देश में श्वसन तंत्र से जुड़े रोगों में अप्रत्याशित वृद्धि हुई है। साथ ही प्रदूषित हवा के प्रभाव में सांस संबंधी रोगों से लोगों के मरने का आंकड़ा भी बढ़ा है। कहीं न कहीं हमारे वातावरण में बढ़ता प्रदूषण ग्लोबल वार्मिंग बढ़ाने वाले कारकों में वृद्धि भी कर रहा है। लेकिन पटाखों से होने वाला प्रदूषण ऐसा है जो हमारे संयम के जरिये रोका जा सकता है। चिंता की बात यह है कि पटाखों के जलने से निकलने वाले कण हमारे श्वसनतंत्र को नुकसान पहुंचाने के साथ ही हमारे खून में घुल रहे हैं। जिसमें पीएम 2.5 और पीएम 10 जैसे महीन कण फेफड़ों में प्रवेश करके गंभीर रोगों को जन्म दे रहे हैं। इतना ही नहीं पटाखे जलाने के कारण जहरीली रासायनिक गैसों के रिसाव से हमारे पारिस्थितिकीय तंत्र को गंभीर क्षति पहुंच रही है। साथ ही ग्रीनहाउस गैसों का उत्सर्जन भी हमारे वायुमंडल में जलवायु परिवर्तन के संकटों को बढ़ाने में भूमिका निभा रहा है। लेकिन हम इसके बावजूद निजी सुख के लिये दूसरों के जीवन से खिलवाड़ से परहेज नहीं करते। सही मायनों में असली खुशी वही होती है जिससे हमारा समाज सुखी, स्वस्थ और खुश रह सके। अब चाहे हमारे त्योहार हों या निजी उत्सव, वे समाज के लिये अहितकारी नहीं होने चाहिए। देर–सवेर इस संकट की कीमत हर नागरिक को चुकानी पड़ती है। सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणी के आलोक में हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि अब चाहे दुनिया का सबसे प्रदूषित शहर बर्नीहाट हो या पंजाब व राजस्थान के सबसे अधिक प्रदूषित शहर हों, उन्हें भी पटाखों के नियमन का लाभ मिलना चाहिए। यही वजह है कि अदालत को कहना पड़ा कि साफ हवा देश के हर नागरिक का अधिकार है। ऐसे में हमें दिल्ली या राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र की चिंता के साथ ही शेष देश की भी चिंता गंभीरता से करनी चाहिए। ऐसे में यह जरूरी हो जाता है कि दिल्ली में पटाखों पर नियंत्रण का जो भी फार्मूला बने, उसे सारे देश में भी लागू करना चाहिए। यह संकट सारे देश का है। एक नागरिक के तौर पर हमारा जिम्मेदार व संवेदनशील व्यवहार ही हमें इस संकट से उबार सकता है। विगत में सख्त कानून लागू करने के बावजूद नागरिकों के गैर–जिम्मेदार व्यवहार से प्रदूषण का संकट बढ़ा ही है।

ईपीएफ सेवाएं भी उपभोक्ता आयोग के दायरे में

डॉ. दीपक पाचपोर

कर्मचारी भविष्य निधि संगठन द्वारा प्रबंधित इस योजना में कर्मचारियों और नियोक्ताओं दोनों की ओर से एक निश्चित राशि का योगदान अनिवार्य है, जिसका उपयोग सेवानिवृत्ति, नौकरी परिवर्तन या जीवन की विशिष्ट घटनाओं जैसे चिकित्सा आपात स्थिति या घर खरीदने पर किया जा सकता है।

सुप्रीम कोर्ट ने ईपीएफओ को उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम 2019 के दायरे में माना है। कोई भी कर्मचारी भले ही वह सेवानिवृत्त हो गया हो, ईपीएफओ की सेवाओं में कमी या सेवाओं में देरी जैसे मामलों के लिए उपभोक्ता आयोग में शिकायत दर्ज करा सकता है। पीएफ राशि जमा न होना, पेंशन राशि न मिलना, या पीएफ निकासी में देरी जैसे मामलों में उपभोक्ता अदालत से न्याय प्राप्त किया जा सकता है। कर्मचारी भविष्य निधि यानि ईपीएफ से संबंधित समस्याओं के लिए कर्मचारी उपभोक्ता अदालत का दरवाजा खटखटा सकते हैं। बता दें कि सुप्रीम कोर्ट ने ईपीएफओ को उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम 2019 के दायरे में माना है। कोई भी कर्मचारी भले ही वह सेवानिवृत्त हो गया हो, ईपीएफओ की सेवाओं में कमी या सेवाओं में देरी जैसे मामलों के लिए उपभोक्ता आयोग में शिकायत दर्ज करा सकता है। पीएफ राशि जमा न होना, पेंशन राशि न मिलना, या पीएफ निकासी में देरी जैसे मामलों में उपभोक्ता अदालत से आसानी से न्याय प्राप्त किया जा सकता है। कर्मचारी भविष्य निधि यानि ईपीएफ योजना की स्थापना सन् 1952 में भारत सरकार द्वारा विभिन्न क्षेत्रों के कर्मचारियों के लिए सेवानिवृत्ति बचत योजना प्रदान करने के उद्देश्य से की गई थी। कर्मचारी भविष्य निधि संगठन द्वारा प्रबंधित इस योजना में कर्मचारियों और नियोक्ताओं दोनों की ओर से एक निश्चित राशि का योगदान अनिवार्य है, जिसका उपयोग सेवानिवृत्ति, नौकरी परिवर्तन या जीवन की विशिष्ट घटनाओं जैसे चिकित्सा आपात स्थिति या घर खरीदने पर किया जा सकता है। ईपीएफ का उद्देश्य कर्मचारियों की सेवानिवृत्ति के बाद उनके जीवन में वित्तीय सुरक्षा सुनिश्चित करना है। इस योजना में संचित धनराशि पर ब्याज मिलता है और सेवानिवृत्त होने के समय तक यह एक बड़ी राशि जमा हो जाती है। कर्मचारियों द्वारा अपनी नौकरी बदलने पर कर्मचारी के ईपीएफ खातों से धनराशि के हस्तांतरण में देरी, धनराशि निकालने में कठिनाई और खाते की शेष राशि में विसंगतियां व समस्याएं आती हैं। वही ईपीएफओ के ऑनलाइन पोर्टल में तकनीकी गड़बड़ियों और धीमे प्रसंस्करण समय सहित समस्याओं का आना भी आम बात है। इन परिचालन चुनौतियों ने कर्मचारी सदस्यों में निराशा पैदा की है, जिसके कारण ईपीएफओ को अनुभव और दक्षता में सुधार के लिए अपने सिस्टम और ग्राहक सेवा प्रोटोकॉल को लगातार अपडेट करना पड़ रहा है। सर्वोच्च न्यायालय के आदेश के बाद, कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) ने गत 16 जुलाई, 2025 तक उच्च पेंशन लाभ के लिए 15.24 लाख आवेदनों में से 98.5 फीसदी का निपटान कर दिया है। जिनमें केवल 4,00,573 आवेदनों को ही स्वीकृत किया गया और मांग पत्र भेजे गए। वहीं, 21,995 आवेदन अभी भी समीक्षाधीन हैं। चेन्नई और पुडुचेरी क्षेत्र में अस्वीकृति दर सबसे अधिक रही। यह मुद्दा 2014 के एक सर्कुलर से उपजा है, जिसमें उच्च पेंशन लाभों को केवल एक निश्चित वेतन सीमा से ऊपर कमाने वालों तक सीमित कर दिया गया था। हालांकि, नवंबर 2022 के अपने फैसले में, सर्वोच्च न्यायालय ने स्पष्ट किया कि 1 सितंबर, 2014 से पहले पंजीकृत ईपीएफ सदस्य, जो या तो अभी भी कार्यरत हैं या उस तिथि के बाद सेवानिवृत्त हुए हैं, वे वास्तविक वेतन के आधार पर उच्च पेंशन के पात्र हैं, न कि निर्धारित सीमा के आधार पर। कर्मचारियों की कर्मचारी भविष्य निधि को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने साल 2014 कर्मचारी पेंशन (संशोधन) योजना को वैधा ठहाराया है। हालांकि कोर्ट ने पेंशन कोष में शामिल होने के लिए 15,000 रुपये मासिक वेतन की सीमा को रद्द कर दिया है। बता दें कि 2014 के इस संशोधान ने अधिकतम पेंशन योग्य वेतन (मूल वेतन और महंगाई भत्ता मिलाकर) की सीमा 15,000 रुपये प्रति माह तय की थी। जबकि संशोधन से पहले, अधिकतम पेंशन योग्य वेतन 6,500 रुपये प्रति माह था। सुप्रीम कोर्ट ने अपने फैसले में 2014 कर्मचारी पेंशन (संशोधन) योजना को वैधा ठहाराया है. हालांकि पेंशन कोष में शामिल होने के लिए 15,000 रुपये मासिक वेतन की सीमा को रद्द कर दिया। बता दें कि साल 2014 के संशोधन ने अधिकतम पेंशन योग्य वेतन (मूल वेतन और महंगाई भत्ता मिलाकर) की सीमा 15,000 रुपये प्रति माह तय की थी जबकि पहले अधिकतम पेंशन योग्य वेतन 6,500 रुपये प्रति माह था। आदेश में सुप्रीम कोर्ट ने कहा जिन कर्मचारियों ने पेंशन योजना में शामिल होने के विकल्प का इस्तेमाल नहीं किया है, उन्हें छह महीने के भीतर ऐसा करना होगा। पात्र कर्मचारी जो अंतिम तारीख तक योजना में शामिल नहीं हो सके,

उन्हें एक अतिरिक्त मौका दिया जाना चाहिए। कोर्ट ने सन 2014 की योजना में इस शर्त को अमान्य करार दिया कि कर्मचारियों को 15,000 रुपये से अधिक के वेतन पर 1.16 प्रतिशत का अतिरिक्त योगदान देना होगा। स्पष्ट है कि सुप्रीम कोर्ट के इस फैसले से विभिन्न क्षेत्रों के कर्मचारियों को राहत मिली है और भविष्य में भी न्याय के लिए उनके लिए उपभोक्ता अदालत के दरवाजे खुले हैं।

—लेखक उपभोक्ता आयोग के वरिष्ठ अधिवक्ता हैं।

भारतः घृणास्पद भाषण और राजनीति का बढ़ता चक्र

राम पुनियानी

सांप्रदायिक हिंसा भारतीय राजनीति का अभिशाप रही है। यह सांप्रदायिक राजनीति का आधार भी बनती है जिसका उद्देश्य समाज को धर्म के आधार पर बाँटना है। इस नफरत की नींव अंग्रेजों ने रखी, जिन्होंने शफूट डालो और राज करोश की नीति अपनाई। शुरुआत में, इतिहास के सांप्रदायिक दृष्टिकोण का इस्तेमाल करके ऐसा किया गया। इसे एक तरफ मुस्लिम लीग और दूसरी तरफ हिंदू महासभा–आरएसएस ने समानांतर और विपरीत दिशाओं में विकसित किया। इससे सांप्रदायिक हिंसा की उत्पत्ति और विकास हुआ। इतिहास में धीरे–धीरे अन्य भावनात्मक मुद्दे जुड़ते गए और श्दूसरेश समुदाय के प्रति नफरत बढ़ती गई। हिंसा बढ़ने लगी, जिससे विभाजन–पूर्व जैसी भयावह हिंसा हुई। विभाजन की त्रासदी के बाद यह श्दूसरों से नफरतश का चक्र नियमित रूप से दोहराया जाता रहा। विभाजन–पूर्व हिंसा की गतिशीलता बहुत अलग थी और दोनों समुदाय समान रूप से इसमें शामिल थे। विभाजन के बाद, मुस्लिम सांप्रदायिकता के प्रमुख तत्वों के पाकिस्तान चले जाने के साथ, हिंसा मुख्य रूप से मुस्लिम–विरोधी हिंसा में बदल गई। मुस्लिम समुदाय के प्रति नफरत धीरे–धीरे बढ़ने लगी और सामाजिक चेतना में और गहरी जड़ें जमाती चली गई। आरएसएस की शाखाओं में महान हिंदू राजाओं और दुष्ट मुस्लिम राजाओं की कहानियों के जरिए पैदा की जाने वाली नफरत, और उसके द्वारा संचालित स्कूलों और मीडिया के जरिए फैलाई जाने वाली नफरत, 1977 के बाद और भी बढ़ गई, जब सूचना और प्रसारण मंत्री के रूप में लाल कृष्ण आडवाणी ने यह सुनिश्चित किया कि समाचार एजेंसियों में सांप्रदायिक मानसिकता वाले लोग घुसपैठ करें। मोदी के गुजरात के मुख्यमंत्री बनने के साथ ही, मोदी के करीबी कॉर्पोरेट घरानों ने प्रमुख समाचार पोर्टलों को खरीदना शुरू कर दिया, जिससे भारतीय मीडिया गोदी मीडिया में तब्दील हो गया। सोशल मीडिया और भाजपा आईटी सेल ने इसमें और इजाफा किया। मुस्लिम समुदाय और बाद में ईसाई समुदाय के खिलाफ सीधे–सीधे हमले प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में शुरू हुए और नीचे तक पहुँचकर सामाजिक सोच में अपनी जगह बनाने लगे। मोदी ने बड़ी चतुराई से नफरत भरे नारे गढ़े, जैसे जिनके ज़्यादा बीवी–बच्चे हैं, उन्हें उनके कपड़ों से पहचाना जा सकता है, श्मशान घाट, कब्रिस्तान, और ऐसे ही कई नारे मौखिक प्रचार के जरिए प्रचलित हुए और सोशल मीडिया पर खूब लोकप्रिय हुए। ये चतुराई भरे सूत्र तार्किक रूप से बिगड़ते गए। अल्पसंख्यकों के प्रति नफरत दिन–ब–दिन बढ़ती जा रही है। अब नए सूत्र इस हद तक सामने आ रहे हैं कि हिंदुओं से हथियार रखने का आह्वान किया जा रहा है क्योंकि हिंदू खतरे में हैं। स्वाति चतुर्वेदी की एक महत्वपूर्ण किताब आई है, ष्आई वाज अ ट्रोलष। आईटी सेल की दुनिया पर गहरी नजर डालते हुए उन्होंने इस बात पर प्रकाश डाला है कि कैसे सोशल मीडिया के जरिए नफरत फैलाने के लिए कई युवाओं को काम पर लगाया जाता है। कुणाल पुरोहित की पुस्तक श्द हिंदी पॉपश एक आंख खोलने वाली पुस्तक है। उनकी अग्रणी जांच, जो इस महत्वपूर्ण पुस्तक एच–पॉप में प्रस्तुत की गई है, में उन्होंने जमीनी स्तर पर काम के माध्यम से लोकप्रिय पॉप गायकों को उजागर किया और पाया कि सांप्रदायिक सामग्री उनके गीतों का केंद्रीय विषय है, जो अपने आकर्षक संगीत के कारण लोकप्रिय हो गए। प्रमुख पॉप गायकों के विश्लेषण के माध्यम से, पुरोहित ... क्रमशः पॉप संगीत, कविता और प्रभावशाली संस्कृति की जांच करते हैं। एच–पॉप कई स्तरों पर काम करता हैरू हिंदुत्व पॉप की दुनिया में एक मानवशास्त्रीय गहन गोता, ... भाजपा और अन्य हिंदुत्व संगठनों के साथ उनके (गायकों) संबंधों के बारे में खोजी पत्रकारिता , और हिंसा भड़काने में संगीत, कविता और पॉप संस्कृति की भूमिका का अकादमिक विश्लेषण।ष और ष हिंदुत्व पारिस्थितिकी तंत्र द्वारा पॉप संस्कृति का व्यापक हथियारीकरणरू सत्तारूढ़ दल के नेता खुलेआम नफरत भरे भाषण देते हैं और नफरत भरी रैलियां करते हैं, स्कूल की पाठ्यपुस्तकें हिंदुत्व के इतिहास को तथ्य के रूप में बेचती हैं, पूजा प्रसन्ना (न्यूज मिनट) ने अपने वीडियो ष्केरल के दक्षिणपंथ से हिंदुत्व पॉप तक सांप्रदायिक रंगष में, जो उनके एक सहकर्मी द्वारा किए गए शोध पर आधारित है, हमें बताया है कि केरल में कई हिंदू देर रात (रात 11.30 बजे) के बाद चौट रूम में मुसलमानों के खतरे से निपटने के लिए हथियार रखने का आह्वान करते हैं। सुरक्षा के लिए स्थानीय आरएसएस शाखा के संपर्क में रहने को कहा गया है। वे मुसलमानों को खध्तरा और एक टिक–टिक करता बम बताते हैं, और सोशल मीडिया पर मुस्लिम महिलाओं के लिए अपमानजनक बुल्ली बाई और सुल्ली बाई (मुस्लिम महिलाओं की इंटरनेट नीलामी) का भी जिक्र करते हैं। इन सबके अलावा, बॉलीवुड फिल्मों की बाढ़ आ गई है, जैसे कश्मीर फाइल्स, केरल स्टोरी, बंगाल फाइल्स वगैरह। संयोग से, कश्मीर फाइल्स की सिफारिश आरएसएस प्रमुख भागवत और प्रधानमंत्री मोदी ने की थी। अगस्त 2025 में विज्ञान भवन में अपने बहुप्रचारित व्याख्यानों में, भागवत ने अपने विभाजनकारी एजेंडे को बड़ी चतुराई से आगे बढ़ाया था जब उन्होंने कहा था कि षहिंदू वह है जो दूसरों की आस्थाओं को कमतर आंके बिना अपने रास्ते पर चलने में विश्वास रखता है और दूसरों की आस्था का अनादर किए बिना उनका सम्मान करता है। जो लोग इस परंपरा और संस्कृति का पालन करते हैं, वे हिंदू हैं...ष जैसा कि उन्होंने ऊपर कहा, मुसलमानों के प्रति असहिष्णुता और उनके प्रति घृणा की प्रक्रियाएँ पूरी तरह से सक्रिय हो गई हैं। असम में जो कुछ हो रहा है, उसमें भी यही बात स्पष्ट है।

हेमंत बिस्वा सरमा बंगाली भाषी मुसलमानों को मताधिकार से वंचित करने और उन पर अत्याचार करने पर तुले हुए हैं, जबकि भागवत दूसरी तरफ देख रहे हैं और शायद अपने हिंदू राष्ट्र के एजेंडे को आगे बढ़ाने के लिए मुस्कुरा रहे हैं। हर्ष मंदर ने अपने स्क्रॉल लेख में बताया है कि हिमंत सरमा ने कहा, ष्मैं असमवासियों से इजराइल से सीखने का आग्रह करूँगा। मध्य पूर्व में वह देश मुस्लिम कट्टरपंथियों से घिरा हुआ है।

जीवन की क्षणभंगुरता

क्षणभंगुर काया का बंदे,
काहे तुझे गुमान रे,
अगर हाट में आया है तो
ले ले कुछ सामान रे।

ईश्वर का तू अंश है प्यारे,
माया का है दंश यहां रे,
लोभ – मोह के चंच भगाके,
उर में प्रभु अवतंस बसा ले,

कर्मों की खेती से उपजे,
सारे सुकृत सुमान रे।
अगर हाट में आया है तो,
ले ले कुछ सामान रे।

इस दुकान के भाव बड़े है,
कर्म है खोटे शान बड़े है,
झूठ कपट के मान बड़े हैं,
प्रभुता के सम्मान बड़े है,

चाटुकारिता फन फैलाए,
विकल हुआ इंसान रे,
अगर हाट में आया है तो
ले ले कुछ सामान रे,

स्वारथ का है यहॉ झमेला,
मैं और मेरा तू और तेरा,
चार दिनों का है यह मेला,
फिर तो चला चली का रेला,

पीहर के दिन सुख के बीते,
अब जाना ससुराल रे,
अगर हाट में आया है तो
ले ले कुछ सामान रे।

लख चौरासी फिरकर आया,
बड़े भाग मानव तन पाया,
भ्रम ने आकर तुझे फॅसाया
अब काहे का तू भरमाया,

दिव्य भक्ति के निर्मल जल से,
पावन कर ले धाम रे,
अगर हाट में आया है तो
ले ले कुछ सामान रे।

अनामिका तिवारी 'अन्नपूर्णा'

देश को फिर गुलाम बनाने की तैयारी

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के करीबी माने जाने वाले कारोबारी गौतम अडानी को बिहार में बिजली संयंत्र लगाने का बड़ा ठेका मिला है। कांग्रेस का आरोप है कि बजट में भाजपा ने घोषणा की थी कि इस संयंत्र को सरकार लगाएगी, लेकिन अब ठेका, संयंत्र लगाने के लिए जमीन और बिजली बेचने का अधिकार सब अडानी समूह को दिया गया है। सरकार ने अपने हाथ पीछे खींच लिए हैं। देश को निजीकरण की जंजीरों में किस तरह जकड़ा जा रहा है, यह उसका ताजा उदाहरण है। जब भारत की प्राकृतिक संपदा और आर्थिक समृद्धि को देखकर अंग्रेज व्यापार करने आए थे, तब ईस्ट इंडिया कंपनी की लुभावनी बातों और आकर्षक सौदों में फंसकर राजाओं ने उन्हें मनमाने नियमों के साथ व्यापार करने की अनुमति दी। बदले में राजाओं को सैन्य मदद या किसी और किस्म का निजी लाभ मिल जाया करता था। इन सौदों में प्रजा के हितों के लिए कोई जगह नहीं थी। जिस प्रजा से तरह–तरह के कर वसूले जाते थे, उसके बारे में न राजाओं ने न ईस्ट इंडिया कंपनी ने कुछ सोचा। नतीजा देश की दो सौ साल की गुलामी के रूप में सामने आया। तब की प्रजा आजाद भारत में नागरिक बन गई, उसे सरकार चुनने का हक देकर शक्ति संपन्न किया गया। लेकिन मौजूदा सरकार ईस्ट इंडिया काल की तरह ही अभी फिर से जनता को प्रजा बनाने में लगी है, ताकि आज के व्यापारियों को मनमाने लाभ कमाने की छूट मिले। देश में अब जो बची–खुची प्राकृतिक संपदा रह गई है, उसे भी हड़प कर भारत को नयी गुलामी की तरफ धकेला जा रहा है। अडानी समूह ने एनडीए शासित बिहार में राज्य विद्युत उत्पादन कंपनी लिमिटेड (बीएसपीजीसीएल) के साथ 25 साल के बिजली आपूर्ति समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं। इस समझौते के तहत भागलपुर जिले के पीरपैंती में बनने वाले बिजली संयंत्र से राज्य को बिजली उपलब्ध कराई जाएगी। पीरपैंती आने वाले वक्त में बिहार का ऊर्जा हब बन जाएगा, ऐसा कंपनी का दावा है। अडानी समूह के मुताबिक इस परियोजना में लगभग तीन अरब डॉलर (26,482 करोड़ रुपये) का निवेश होगा और इससे कम से कम 12 हजार लोगों के लिए प्रत्यक्ष व अप्रत्यक्ष रोजगार के अवसर पैदा होंगे। अगले पांच साल में संयंत्र काम करने लग जाएगा, ऐसा कंपनी का अनुमान है। मतलब अगले चुनाव पर फिर इस संयंत्र के आधार पर वोट मांगने की तैयारी होगी। क्योंकि अभी नरेन्द्र मोदी ने इस का शिलान्यास किया है, अगले चुनाव में वे कहेंगे कि बिजली उपलब्धता के लिए हमें वोट दीजिए। जिस काम को करना सरकार की प्राथमिकता होना चाहिए, जो उसकी जिम्मेदारी है और जनता का बुनियादी हक है, उसे चुनावी मुद्दा भाजपा ने बनाया है। अडानी समूह की तरफ से बिजली आपूर्ति, उद्योगों को लाभ, रोजगार के मौके जैसी बातें कही जा रही हैं, जो बताता है कि विकास की चकाचौंध में कैसे जनता को गुमराह किया जाता है। अडानी समूह अगर करोड़ों का निवेश कर बिजली संयंत्र लगा सकता है और इतना बिजली उत्पादन कर सकता है कि बिहार का विकास हो जाए, तो इसी काम को करने से सरकार को किसने रोका है। जब नीतीश कुमार 20 सालों से सत्ता में हैं और नरेन्द्र मोदी 11 सालों से केंद्र में हैं, तब भी दोनों मिलकर बिहार के लिए एक बिजली संयंत्र नहीं लगा सके, क्या इसे एनडीए सरकार की बड़ी विफलता के तौर पर पेश नहीं किया जाना चाहिए। लेकिन भाजपा और उसका मीडिया दोनों इसे बड़ी उपलब्धि बताने में लगे हैं। गौरतलब है कि अगस्त महीने में उत्तर बिहार पावर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी लिमिटेड और दक्षिण बिहार पावर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी लिमिटेड ने अडानी पावर को स्वीकृति पत्र जारी किया था। अडानी पावर ने 6 रुपये 75 पैसे प्रति किलोवाट घंटा की न्यूनतम दर की पेशकश कर यह अनुबंध हासिल किया। समझौते के अनुसार, प्लांट से उत्पादित बिजली सीधे बिहार की वितरण कंपनियों तक पहुँचेगी, जिससे राज्य की बिजली स्थिति में सुधार होगा। कहा जा रहा है कि यदि यह परियोजना समय पर पूरी होती है, तो यह न केवल ऊर्जा आपूर्ति की गारंटी देगी बल्कि बिहार में औद्योगिक माहौल को भी बेहतर करेगी। इस निवेश से प्रदेश की छवि एक शनिवेश–अनुकूल राज्यश के रूप में बन सकती है। ऐसे ही लुभावने सपने ईस्ट इंडिया कंपनी ने भी उस समय के राजाओं को दिखाए थे, जो आखिर में ये तक मानने लगे थे कि अंग्रेज हैं तो उनका उद्धार होगा, वर्ना वे अपने दम पर कुछ कर ही नहीं सकते। जिन राजाओं ने ऐसा नहीं माना, उनकी न केवल सत्ता छीनी गई बल्कि मौत के घाट भी उतारा गया।

कैंसर के बावजूद टूटी नहीं हिम्मत, 'फुल प्लेट' लेकर बुसान फिल्म फेस्टिवल पहुंचेंगी तनिष्ठा चटर्जी, शबाना-उर्मिला संग मनाया जश्न

"वरिष्ठ एक्ट्रेस शबाना आजमी ने हाल ही में अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर कुछ भावुक तस्वीरें और एक वीडियो शेयर किया। इनमें तनिष्ठा अपनी सहेलियों उर्मिला मातोंडकर, संध्या मृदुल, शहाना गोस्वामी और दिव्या दत्ता के साथ हंसी-ठिठोली करती दिखाई दीं।

स्टेज 4 ओलिगो मेटास्टेटिक कैंसर से जंग लड़ रहीं मशहूर एक्ट्रेस और निर्देशिका तनिष्ठा चटर्जी इन दिनों अपनी नई फिल्म फुल प्लेट को लेकर चर्चा में हैं। इस फिल्म का प्रीमियर बुसान इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल में होने वाला है और इस खास अवसर को यादगार बनाने के लिए उनकी करीबी दोस्तों ने एक इमोशनल लेकिन खुशनुमा जश्न मनाया, जिसकी तस्वीरें और वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रही हैं। वरिष्ठ एक्ट्रेस शबाना आजमी ने हाल ही में अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर कुछ भावुक तस्वीरें और एक वीडियो शेयर किया। इनमें तनिष्ठा अपनी सहेलियों उर्मिला मातोंडकर, संध्या मृदुल, शहाना गोस्वामी और दिव्या दत्ता के साथ हंसी–ठिठोली करती दिखाई दीं। एक वीडियो में तनिष्ठा केक काटती नजर आ रही हैं और उनकी दोस्त उन्हें प्यार से "टाइगर टैन" कहकर उत्साहित करती दिखीं। शबाना ने कैप्शन में लिखा दृ टाइगर टैन, जो अपनी निर्देशित फिल्म के साथ बुसान इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल जा रही हैं। उन्होंने यह काम अपने कैंसर ट्रीटमेंट के बीच पूरा किया। आप सचमुच जिब्राल्टर की चट्टान जैसी मजबूत हैं। एक्ट्रेस संध्या मृदुल ने भी सोशल मीडिया पर अपने जज्बात व्यक्त किए। उन्होंने लिखा हमारी प्यारी टाइगर टैन अपनी फिल्म लेकर बुसान जा रही हैं। हमें उन पर गर्व है। हमारी नजर में वह पहले ही जीत चुकी हैं। इन पोस्ट्स पर ऋचा चड्ढा, दीया मिर्जा और तिलोत्तमा शोम जैसी कई एक्ट्रेसेस ने भी पॉजिटिव प्रतिक्रिया दी। तनिष्ठा ने अपने एक इंटरव्यू में बताया कि बीमारी का पता चलने के बाद भी उन्होंने फुल प्लेट का पोस्ट–प्रोडक्शन पूरा किया। इस पूरे सफर में उनकी गर्ल गैंग ने परिवार की तरह उनका साथ दिया। उन्होंने बताया–मेरी सहेलियां बारी–बारी से अस्पताल आती रहीं। शबाना जी, तन्वी, उर्मिला, दिव्या सभी नियमित रूप से मिलने आती थीं। हर कीमोथैरेपी सेशन में दो–तीन दोस्त मौजूद रहते थे। उन्होंने खुद एक ग्रुप बनाकर तय कर लिया था कि कौन कब आएगा। मुझे कभी अकेलापन महसूस नहीं हुआ। उन्होंने यह भी बताया कि सिनेमैटोग्राफर दीप्ति गुप्ता और अभिनेता संजय सूरी (जिनके साथ उन्होंने चौरंगा फिल्म में काम किया था) ने भी इस मुश्किल दौर में उनका हौंसला बढ़ाया। कुछ समय पहले तनिष्ठा ने अपने गंभीर स्वास्थ्य की जानकारी सार्वजनिक की थी। उन्होंने बताया था कि उनके पिता का हाल ही में कैंसर से निधन हुआ और कुछ महीनों बाद ही उन्हें यह पता चला कि वे भी इसी बीमारी से जूझ रही हैं। इस कठिन दौर में वे अपनी मां और बेटी की जिम्मेदारी भी निभा रही हैं। बावजूद इसके, वह मजबूती और हिम्मत के साथ अपनी पेशेवर जिंदगी को आगे बढ़ा रही हैं।

जेन-जी ने आसमान में एक तारे का नाम रखा 'सैयारा', भावुक हुए अहान पांडे और अनीत पड्डा बोले- शब्द मेरी भावनाओं को व्यक्तनहीं..

एक्टर अहान पांडे और एक्ट्रेस अनीत पड्डा ने अपनी डेब्यू फिल्म सैयारा से लोगों का खूब दिल जीता है और फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर भी ताबड़तोड़ कमाई की है। सैयारा को अब इस पीढ़ी का दिलवाले दुल्हनिया ले जाएंगे (डीडीएलजे) और कहो ना प्यार है कहा जा रहा है, क्योंकि इस फिल्म और अहान–अनीत की सांस्कृतिक छाप ने भारत और पूरी दुनिया के दक्षिण एशियाई समुदाय पर गहरा असर डाला है। अहान और अनीत के जनरेशन जी फैंस ने अपने पसंदीदा ऑन–स्क्रीन आइकॉन का जश्न मनाने का सबसे प्यारा तरीका चुना। उन्होंने आसमान में एक तारे का नाम सैयारा रखा है, जिस पर फिल्म स्टार भी इमोशनल हो गए। जेन जी के इस प्यार से भावुक हुए अहान ने कहा, असल सितारे तो आप हैं, आपका इतना चमकना ही हमारी रोशनी है। मुझे वह दिन याद है जब सैयारा सिनेमाघरों से उतर गई थी। सब कुछ हो चुका था, लेकिन मैंने खुद को उस एहसास में डूबने ही नहीं दिया। अब यह देखकर लगता है जैसे फिल्म ने यूनिवर्स में अपनी जगह बना ली है, आकाशगंगा के उस कोने में जहां सारी खूबसूरत चीजें चली जाती हैं जब वे यहां से विदा लेती हैं। मेरे शब्द मेरी भावनाओं को पूरी तरह व्यक्त नहीं कर सकते, क्योंकि यह एहसास इतना सुंदर है कि शब्दों में नहीं बंध ा सकता। लेकिन यह जादुई है, बेहद जादुई। तहेदिल से शुक्रिया, वहीं अनीत पड्डा ने कहा ,कभी–कभी मुझे लगता है फिल्म खत्म हो गई। फिर आप ऐसा कुछ करते हैं और मुझे अहसास होता है कि कहानियां खत्म नहीं होती, वे बस नए आसमान खोज लेती हैं। एक तारे का नाम भले ही सैयारा रखा गया हो, लेकिन असली आकाशगंगा तो हमेशा आप सब रहे हैं। हमारी कहानी को अनंत बनाने के लिए दिल से धन्यवाद।

इस बार आखिर क्या कांड कर गये राज कुंद्रा? पुलिस ने की 5 घंटे की लंबी पूछताछ

ब्रिटेन में जन्मे व्यवसायी राज कुंद्रा भारत में रियल एस्टेट और खेल से लेकर ऑनलाइन व्यवसायों तक कई उपक्रमों से जुड़े रहे हैं। उन्होंने बॉलीवुड अभिनेत्री शिल्पा शेट्टी से शादी की है। काफी समय से ये जोड़ी विवादों में बनीं हुई है। कभी किसी फ्रॉड केस में तो कभी अश्लीस फिल्में बनाने के अरोप में लाफी समय से कुंद्रा परिवारा और जांच एजेंसियों की तकरार जारी है। ताजा मामला 60 करोड़ रूपये से जुड़ा है। मुंबई पुलिस की आर्थिक अपराध शाखा (ईओडब्ल्यू) ने 60 करोड़ रुपये की धोखाधड़ी के मामले में बॉलीवुड अभिनेत्री शिल्पा शेट्टी के पति और व्यवसायी राज कुंद्रा का सोमवार को बयान दर्ज किया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। एक अधिकारी ने बताया कि ईओडब्ल्यू के कर्मियों ने मामले के संबंध में कुंद्रा (50) से पांच घंटे से अधिक समय तक पूछताछ की। मीडिया की नजरों से बचने के लिए उनका बयान एक अज्ञात स्थान पर दर्ज किया गया। अधिकारी ने बताया, ''हमने आज (सोमवार) कुंद्रा का बयान दर्ज किया और संभवतरू अगले सप्ताह उन्हें फिर से तलब किया जाएगा क्योंकि अगले दौर की पूछताछ से पहले कई और गवाहों की जांच की जरुरत है।'' उन्होंने कहा कि सह–आरोपी शेट्टी को कोई समन जारी नहीं किया गया है, क्योंकि ईओडब्ल्यू अभी भी साक्ष्य एकत्र कर रही है। ईओडब्ल्यू अभिनेत्री और उनके व्यवसायी पति के खिलाफ मुंबई में दर्ज 60 करोड़ रुपये की धोखाधड़ी के मामले की जांच कर रही है। यह मामला एक प्रसिद्ध दंपति और कुछ अज्ञात व्यक्तियों के खिलाफ दर्ज किया गया, जिन पर एक व्यवसायी को उनकी अब बंद हो चुकी कंपनी 'बेस्ट डील टीवी प्राइवेट लिमिटेड' से जुड़े ऋण–सह–निवेश सौदे में कथित रूप से 60.4 करोड़ रुपये की ठगी करने का आरोप है। व्यवसायी दीपक कोठारी (60) ने यह शिकायत दर्ज कराई गई थी, जो 'लोटस कैपिटल फाइनेंस सर्विसेज' नामक एक 'गैर–बैंकिंग' वित्तीय कंपनी में निदेशक हैं। इस महीने की शुरुआत में पुलिस ने शेट्टी और कुंद्रा के खिलाफ लुकआउट सर्कुलर (एलओसी) जारी किया था। एलओसी एक नोटिस होता है जिसका इस्तेमाल अधिकारी किसी व्यक्ति को देश छोड़ने से रोकने या उसकी गतिविधियों पर नज़र रखने के लिए करते हैं। यह आव्रजन और सीमा अधिकारियों को उस व्यक्ति पर नज़र रखने के लिए सचेत करता है। आर्थिक अपराध शाखा अब धन के प्रवाह का पता लगाने और कथित धोखाधड़ी की समय–सीमा से उसका मिलान करने का प्रयास कर रही है। अधिकारियों ने बताया कि दंपति के व्यापारिक लेन–देन से संबंधित वित्तीय लेन–देन की बारीकी से जाँच की जा रही है। इस महीने की शुरुआत में, मुंबई पुलिस ने कुंद्रा और शेट्टी दोनों के खिलाफ लुकआउट सर्कुलर (एलओसी) जारी किए थे, जिससे जाँच के दौरान उन्हें देश छोड़ने से रोका जा सके। इस कदम को एहतियाती कदम बताया गया है, जिसका उद्देश्य पूछताछ के लिए दंपति की उपलब्धता सुनिश्चित करना है। पुलिस ने इस मामले में कोई गिरफ्तारी नहीं की है। उनका कहना है कि अगला कदम कई गवाहों के बयानों की पुष्टि और वित्तीय दस्तावेजों के विश्लेषण पर निर्भर करेगा।

अवॉर्ड्स पर मनोज वाजपेयी का बेबाक बयान! कहा- मेरे लिए काम ही सब कुछ, पुरस्कारों से आस नहीं

बॉलीवुड अभिनेता मनोज वाजपेयी इस बात से निराश नहीं हैं कि फिल्म ''जोरम'' और ''सिर्फ एक बंदा काफी है'' में उनके दो सबसे प्रशंसित प्रदर्शनों को राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कारों में खासी सराहना नहीं मिली। अभिनेता का कहना है कि वह जो काम करते हैं, उसके लिए कोई उम्मीद नही रखते हैं। चार बार राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता वाजपेयी ने ''जोरम'' में फरार आदिवासी व्यक्ति दसरू की आकर्षक भूमिका के लिए फिल्म समीक्षकों के साथ ही प्रशंसकों से सराहना मिली। उन्होंने फिल्म ''सिर्फ एक बंदा काफी है'' में एक शक्तिशाली धर्मगुरु को चुनौती देने वाले वकील का किरदार निभाया था। इस फिल्म ने सर्वश्रेष्ठ संवाद के लिए राष्ट्रीय पुरस्कार जीता। यह पूछे जाने पर कि क्या अपने अभिनय के लिए राष्ट्रीय पुरस्कार न जीत पाने से वह दुखी हैं, अभिनेता ने कहा कि उनके लिए इस सवाल का जवाब देना मुश्किल है। वाजपेयी ने कहा, ''मैं अपने काम से, खासकर पुरस्कार समारोहों से, कुछ भी उम्मीद नहीं करता। सभी पुरस्कारों का स्तर गिर रहा रहे है, ये विश्वसनीयता खो रहे हैं। इसी वजह से, मैं कभी भी उम्मीद नहीं करता।'' उन्होंने पीटीआई–से कहा, ''एक बात जो कभी नहीं भूली जाएगी, वह यह है कि ''जोरम'' एक बेहतरीन फिल्म है, जिसे सभी स्वीकार करेंगे, यह एक ऐसा अभिनय है जिसे मैं देखना पसंद करूंगा। जब मैं इसे देखता हूं, तो मुझे लगता है कि यह मैं नहीं हूं। यही वह एहसास है जिसके लिए कोई जीता है, और ऐसा करने के लिए किसी ने बहुत खून–पसीना बहाया है।'' अभिनेता ने कहा कि कई पुरस्कार समारोहों ने अपना नजरिया बदल दिया है। उन्होंने कहा, ''लेकिन वे ऐसा ही चाहते हैं, मुझे कोई शिकायत नहीं है। मैं कौन होता हूं इसकी शिकायत करने वाला? ये उनका पुरस्कार है, ये उनका फैसला है।

धर्मा की नई पेशकश में संस्कृति, इमोशंस और मस्ती का धमाका, आ रही है 'सनी संस्कारी की तुलसी कुमारी'

बॉलीवुड के दर्शक बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं सनी संस्कारी की तुलसी कुमारी का। वरुण धवन, जान्हवी कपूर, रोहित सराफ और सन्या मल्होत्रा जैसे सितारों से सजी इस फिल्म का ट्रेलर 15 सितम्बर 2025 को रिलीज हुआ और अपने रंगीन नजारों, भव्यता और जश्नभरे अंदाज से यह ट्रेलर दर्शकों की उम्मीदें और भी ऊँची कर गया। यह है असली धर्मा स्टाइल! इस फिल्म की सबसे बड़ी खासियत है इसका जश्न भारतीय संस्कृति और परिवार की नजदीकी को सलाम करता हुआ। रंगों से लबालब त्योहारों की धूम हो या घर की छोटी–छोटी लेकिन दिल छू लेने वाली बातें सनी संस्कारी की तुलसी कुमारी रिश्तों, मोहब्बत और खुद की पहचान की कहानी है। इसमें है हल्की–फुल्की मस्ती भी और गहरी भावनाएँ भी, जिससे बच्चे, मम्मी–पापा और दादा–दादी सबको कुछ न कुछ अपना लगेगा। स्टारकास्ट अपने किरदारों में जान डालते हैं कभी मासूमियत से, कभी नटखटपन से। ऊपर से रंगीन लोकेशन्स, जोशीले गाने और दिल छू लेने वाला संगीत सब मिलकर यह सिनेमा अनुभव बना देंगे जबरदस्त। और जब धर्मा प्रोडक्शन्स किसी फिल्म को पेश करे तो पॉलिश, भव्यता और फैमिली–फ्रेंडली एंटरटेनमेंट की गारंटी तो पक्की है। जोश और चर्चा पहले ही आसमान छू रही है। शशांक खेतान के निर्देशन में बनी और धर्मा प्रोडक्शन्स व मेंटर डिसाइपल एंटरटेनमेंट द्वारा निर्मित सनी संस्कारी की तुलसी कुमारी इस दशहरे, 2 अक्टूबर 2025 को सिनेमाघरों में दस्तक देगी।

फिल्म शूटिंग दौरान घायल हुए मशहूर सिंगर परमिश वर्मा, चकनाचूर हुए कार के शीशे, चेहरे पर लगा कांच

मशहूर पंजाबी सिंगर और एक्टर परमिश वर्मा को लेकर हाल ही में एक बेहद शॉकिंग खबर सामने आई है। खबर है कि परमिश फिल्म शेरा की शूटिंग के दौरान वे घायल हो गए हैं, जिसके बाद तुरंत उन्हें हॉस्पिटल ले जाया गया, जहां उनका इलाज चल रहा है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, परमिश वर्मा अंबाला में फिल्म शेरा की शूटिंग के दौरान घायल हो गए। बताया जा रहा है कि

एक एक्शन सीन फिल्माते समय उनकी कार के शीशे पर नकली गोली लगी, जिससे शीशा टूट गया और कांच का टुकड़ा उनके चेहरे पर लग गया। हादसे के बाद तुरंत उन्हें निजी अस्पताल ले जाया गया, जहां उनका इलाज किया गया। इलाज के बाद अब एक्टर चंडीगढ़ वापस आ गए हैं। दूसरी ओर इस हादसे के बाद फिल्म की शूटिंग रोक दी गई है। वहीं, परमीश वर्मा ने अपने इंस्टाग्राम पर स्टोरी शेयर कर बताया कि यह घटना शेरा के सेट पर हुई। उन्होंने लिखा कि प्रभु की कृ पा से वे सुरक्षित और ठीक हैं।

रोजाना सुबह नारियल पानी पीने से सेहत को मिलते हैं जबरदस्त, दूर होगी कई बीमारियां

नारियल पानी पीना सबसे ज्यादा हेल्दी माना जाता है। नारियल पानी पीने सिर्फ हाइड्रेशन ही नहीं बल्कि और कई भी स्वास्थ्य लाभ मिल सकते हैं। क्योंकि, इसमें कई पोषक तत्व और इलेक्ट्रोलाइट्स शरीर को दुरुस्त रखने में काफी मदद करता है। आइए जानते हैं खाली पेट नारियल पानी पीने के फायदे।

अगर आप चाहते हैं कि आपका शरीर स्वस्थ रहे और स्किन भी ग्लो करें। इसके लिए आपको कुछ ज्यादा नहीं करना, बस खाली पेट रोजाना सुबह नारियल पानी पीना चाहिए। खुद को फिट रखने के लिए और दिनभर एक्टिव बने रहने के लिए डाइट में नारियल पानी को एड कर सकते हैं। नारियल पानी एक नेचुरल ड्रिंक है, जिसमें कई जरुरी पोषक तत्व पाए जाते हैं। नारियल पानी को अपनी डाइट में जरुर शामिल करें। इससे कई स्वास्थ्य लाभ मिल सकते हैं।

पाचन में सुधार

नारियल में कई पोषक तत्व पाए जाते है जो सेहत के लिए सबसे बढ़िया है। नारियल पानी में मौजूद इलेक्ट्रोलाइट्स और एंजाइम पाचन क्रिया को बेहतर बनाने में मदद करते हैं। पेट की एसिडिटी को संतुलित करता है और पाचन एंजाइम्स को बढ़ावा देता है।

वजन कम करने में मददगार

खाली पेट नारियल पानी पीने से वजन कम करने में मदद मिलती है। नारियल पानी में कम कैलोरी और कोई ट्रांस फैट या कोलेस्ट्रॉल नहीं होता है, जिससे यह वजन कम करने के लिए एक परफेक्ट ड्रिंक बन जाता है। यह एक नेचुरल एनर्जी बूस्टर के रुप में भी काम करता है, ऐसा करने से भूख कम लगती है और अनियमित खाने की आदतों को रोकने में मदद मिलती है।

इम्यून सिस्टम मजबूत होता है

नारियल पानी का सेवन हर तरह से फायदेमंद है। इसके सेवन से इम्यून सिस्टम मजबूत रहता है। नारियल पानी में एंटीवायरल, एंटीबैक्टीरियल और एंटीफंगल गुण होते हैं, जो इम्यून सिस्टम को मजबूत बनाने में मदद करता है। यह शरीर को इन्फेक्शन और बीमारियों से बचाने में मदद करती है।

ब्लड प्रेशर को नियंत्रित करता

सुबह खाली पेट नारियल पानी पीने से ब्लड प्रेशर को कंट्रोल करता है। नारियल में पोटेशियम होता है, जो ब्लड प्रेशर को कंट्रोल करने में मदद करता है। इसके सेवन से हाई ब्लड प्रेशर के जोखिम को कम करने में मदद करता है।

किडनी की सेहत के लिए फायदेमंद

नारियल पानी पीने से किडनी संबंधित रोग ठीक होते हैं। नारियल पानी में डाययुरेटिक गुण होते हैं, जो शरीर से टॉक्सिक पदार्थों को निकालने में मदद करता है। ये किडनी की सेहत को बनाए रखने में मदद करता है और गुर्दे की पथरी के जोखिम को कम करता है।

स्किन के लिए फायदेमंद

जैसा कि हम सभी स्किन के हेल्दी रखने के लिए नारियल पानी का सेवन करते हैं। नारियल पानी में एंटीऑक्सीडेंट होते हैं, जो त्वचा को फ्री रेडिकल्स से बचाने में मदद करता है। यह त्वचा को हाइड्रेटेड रखता है और ग्लोइंग स्किन बनाता है।

बदलते मौसम में इम्यूनिटी को स्ट्रॉग रखने के लिए इन चीजों का करें सेवन

बरसात के मौसम के बाद ठंड आने की शुरुआत हो जाती है। बदलते मौसम में शरीर एडजस्ट होने में थोड़ा समय लेता है। इस सीजन में हम सभी बीमार पड़ जाते हैं। बदलते मौसम में खुद को स्वस्थ रखने के लिए सही खानपान बनाए रखना जरुरी है। इस लेख में हम आपको ऐसे कुछ फूड के बारे में जानकारी दे रही हैं जिससे आपकी इम्यूनिटी बूस्ट होती है और संक्रमण से लड़ने के लिए सक्षम बना रहता है।

बदलते मौसम में इन चीजों का करें सेवन

– स्प्राउट्स प्रक्रिया ही विटामिन और खनिजों को बढ़ाती है। नतीजतन, स्प्राउट्स मैग्नीशियम, फास्फोरस, मैंगनीज और विटामिन के से भरपूर होते हैं। यह स्प्राउट्स में एंटीऑक्सीडेंट भी बढ़ाता है। तांबा, आयरन और जिंक जैसे एंटीऑक्सीडेंट बीमारियों और बैक्टीरिया के खिलाफ शरीर की सुरक्षा में सुधार करने के लिए जाने जाते हैं।

– हमारा शरीर अपने आप विटामिन सी का उत्पादन नहीं करता है, और इसलिए यह अधिक महत्वपूर्ण हो जाता है कि हम ऐसे खाद्य पदार्थों का सेवन करें जो विटामिन सी (संतरा/आंवला/ बेल मिर्च/टमाटर/क्रूसिफेरस सब्जियां) से भरपूर हों, खासकर मौसम के बदलाव के दौरान।

– किण्वित प्रोबायोटिक्स और दही जैसे प्राकृतिक स्रोतों में श्अच्छे बैक्टीरियाश स्वाभाविक रूप से आपकी प्रतिरक्षा को बढ़ावा देने में मदद करते हैं, जिससे इस फ्लू के मौसम में सुरक्षित रहने की आपकी क्षमता में सुधार होता है।

–लहसुन में एलिसिन नामक एक प्राकृतिक रासायनिक घटक में अद्भुत जीवाणुरोधी और एंटी–फंगल गुण होते हैं, जो बैक्टीरिया और वायरस से लड़ने में मदद कर सकते हैं, और इसलिए सर्दी या फ्लू होने के जोखिम को कम कर सकते हैं।

–पपीता में अपनी उच्च फाइबर सामग्री और एंजाइम पपेन के कारण पाचन में सुधार करता है। इसमें विटामिन सी भी प्रचुर मात्रा में होता है जो रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाने में मदद करता है।

– विटामिन सी और एंटीऑक्सीडेंट से भरपूर, सहजन की पत्तियों से आम सर्दी, फ्लू से लड़ने और कई सामान्य संक्रमणों को दूर करने में मदद करता है। थायमिन, राइबोफ्लेविन, नियासिन और विटामिन बी 12 जैसे आवश्यक बी विटामिन से भरपूर सहजन पाचन रस के स्राव को उत्तेजित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है और पाचन तंत्र के सुचारू कामकाज में मदद करता है।

डैंड्रफ से हैं परेशान तो महंगे शैंपू नहीं काम आएगी किचन की ये चीज

डैंड्रफ एक आम समस्या है जो न केवल बालों की खूबसूरती को प्रभावित करती है, बल्कि इसके कारण बालों का टूटना और झड़ना भी बढ़ सकता है। इसके इलाज के लिए महिलाए अक्सर विभिन्न प्रोडक्ट्स का उपयोग करती हैं, लेकिन कई बार ये समस्याए जस की तस बनी रहती हैं। हालांकि, डैंड्रफ से राहत पाने के लिए एक नेचुरल और प्रभावी उपाय है दृ सेब का सिरका। इस आर्टिकल में हम आपको बताने जा रहे हैं कि कैसे सेब के सिरके का इस्तेमाल करके डैंड्रफ को कम किया जा सकता है, और इसके लाभ क्या हैं।

पीएच संतुलन बनाए रखना

सेब का सिरका बालों और स्कैल्प के pH स्तर को संतुलित करने में मदद करता है। जब स्कैल्प का पीएच स्तर असंतुलित होता है, तो डैंड्रफ की समस्या बढ़ सकती है। सेब का सिरका स्कैल्प को स्वस्थ बनाए रखने में सहायक होता है, जिससे डैंड्रफ कम हो सकता है।

एंटीफंगल गुण

सेब के सिरके में प्राकृतिक एंटीफंगल गुण होते हैं, जो डैंड्रफ के मुख्य कारणों में से एक, फंगल इंफेक्शन, को नियंत्रित करने में मदद करते हैं। यह सिरके के गुण फंगल संक्रमण को कम करते हैं और स्कैल्प को साफ रखते हैं।

त्वचा की सफाई

सेब का सिरका स्कैल्प पर जमी गंदगी, अतिरिक्त तेल और मृत कोशिकाओं को हटाने में मदद करता है। यह स्कैल्प की सफाई को बढ़ावा देता है, जिससे डैंड्रफ की समस्या कम हो जाती है और बाल अधिक चमकदार और स्वस्थ नजर आते हैं।

रक्त संचार में सुधार

सेब का सिरका स्कैल्प पर रक्त संचार को बढ़ाता है, जिससे बालों की जड़ों को बेहतर पोषण मिलता है। बेहतर रक्त संचार से बालों की वृद्धि में सुधार हो सकता है और डैंड्रफ की समस्या में भी कमी आ सकती है।

सेब के सिरके का उपयोग कैसे करें

एक कप सेब का सिरका लें और इसे एक कप पानी के साथ मिलाएं। यदि आपके पास संवेदनशील त्वचा है, तो सिरके की मात्रा कम कर सकते हैं। इस मिश्रण को एक स्प्रे बॉटल में भरें और इसे सीधे स्कैल्प पर स्प्रे करें। सुनिश्चित करें कि यह पूरी स्कैल्प पर अच्छे से लगे। मिश्रण को अपने स्कैल्प पर धीरे–धीरे मालिश करें। इससे सिरके के गुण स्कैल्प में अच्छे से समा जाएंगे। इस मिश्रण को स्कैल्प पर 5–10 मिनट के लिए छोड़ दें। इसके बाद, अपने बालों को ठंडे पानी से धो लें और सामान्य शैम्पू से धोएं। बेहतर परिणाम के लिए, इसे सप्ताह में 2–3 बार उपयोग करें। सेब का सिरका एक सरल और प्राकृतिक उपाय है जो डैंड्रफ की समस्या को कम करने में मदद कर सकता है। इसके एंटीफंगल गुण, चभ संतुलन बनाए रखने की क्षमता, और त्वचा की सफाई के लाभ इसे डैंड्रफ के इलाज के लिए एक प्रभावी बनाते हैं। ध्यान रखें कि हर व्यक्ति की त्वचा और बालों की स्थिति अलग होती है, इसलिए उपयोग से पहले पैच टेस्ट जरूर करें। यदि आपकी समस्या गंभीर है या सुधार नहीं होता है, तो विशेषज्ञ से सलाह लेना उचित होगा। आप इस नेचुरल उपचार का उपयोग करके अपने बालों को स्वस्थ और डैंड्रफ मुक्त बना सकते हैं।

चाय के साथ खाते हैं नमकीन तो हो जाए सावधान, सेहत को हो सकता है नुकसान!

हमारे देश में चाय का आनंद अक्सर नमकीन और बिस्किट के साथ लिया जाता है। यह आदत कुछ लोगों के लिए एक ताजगी भरे ब्रेक का हिस्सा होती है, लेकिन क्या आप जानते हैं कि चाय के साथ नमकीन का संयोजन आपकी सेहत के लिए कितना हानिकारक हो सकता है? आइए इस विषय पर विस्तार से चर्चा करें और समझें कि इस फूड कॉम्बिनेशन से सेहत को कौन–कौन से नुकसान हो सकते हैं।

अपच की समस्या

दूध वाली चाय के साथ नमकीन, खट्टी या चटपटी चीजें खाना आपके पाचन तंत्र पर नकारात्मक प्रभाव डाल सकता है। चाय और नमकीन को एक साथ सेवन करने से पेट में असुविधा और अपच की समस्या उत्पन्न हो सकती है। यह खासकर तब होता है जब नमकीन में भारी मसाले या रिफाइंड कार्ब्स होते हैं।

बढ़ सकता है डायरिया का खतरा

चाय में पाए जाने वाले टैनिन और नमकीन के संयोजन से आपके डाइजेस्टिव सिस्टम पर बुरा असर पड़ सकता है। टैनिन दूध के साथ ठीक से मिश्रित नहीं होता और नमकीन में मौजूद सामग्री आपके पेट में सूजन और दर्द पैदा कर सकती है। इसके परिणामस्वरूप डायरिया और अन्य पाचन समस्याओं का खतरा बढ़ सकता है।

हो सकती है एसिडिटी

यदि आप दूध वाली चाय के साथ ड्राइ फ्रूट्स वाली नमकीन खाते हैं, तो इससे एसिडिटी की समस्या उत्पन्न हो सकती है। चाय के साथ तेल या रिफाइंड में फ्राइ की गई चीजों का सेवन करने से एसिडिटी और गैस्ट्रिक समस्याएं हो सकती हैं। यह सेहत के लिए अनचाहा परिणाम हो सकता है।

गट हेल्थ पर असर

नमकीन में पाए जाने वाले रिफाइंड कार्ब्स को डाइजेस्ट करने में काफी समय लगता है, जिससे आपकी गट हेल्थ प्रभावित हो सकती है। चाय और नमकीन का संयोजन आपकी आंतरिक प्रणाली को डैमेज कर सकता है, जिससे आपको लंबे समय तक पाचन संबंधी समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है।

जरूरी है वजह समझना

आपकी जानकारी के लिए बता दें कि नमकीन में पाए जाने वाले रिफाइंड कार्ब्स को डाइजेस्ट करने में काफी ज्यादा समय लग सकता है। यही वजह है कि नमकीन के साथ चाय पीने से आपकी गट हेल्थ बुरी तरह से डैमेज हो सकती है। अपनी सेहत को मजबूत बनाए रखने के लिए इस तरह के गलत फूड कॉम्बिनेशन्स से परहेज करना बेहद जरूरी है। आपकी सेहत को बनाए रखने और बीमारियों से बचने के लिए यह महत्वपूर्ण है कि आप चाय के साथ गलत फूड कॉम्बिनेशन्स से बचें। यदि आप चाय का आनंद लेना चाहते हैं, तो इसे बिना नमकीन या अन्य भारी खाद्य पदार्थों के साथ लें। अपने आहार में संतुलन बनाए रखें और सेहतमंद विकल्प चुनें। इस तरह से आप अपनी सेहत को बेहतर रख सकते हैं और लंबे समय तक स्वस्थ रह सकते हैं।

संक्षिप्त

हिमाचल में 2.2 लाख से ज्यादा किसान कर रहे प्राकृतिक खेती

हिमाचल प्रदेश में प्राकृतिक खेती लोकप्रिय हो रही है। राज्य में 3,584 पंचायतों में 38,437 हेक्टेयर भूमि पर 2,22,893 से ज्यादा किसान प्राकृतिक रूप से विभिन्न फसलें उगा रहे हैं और पर्यावरण अनुकूल तरीके से आजीविका कमा रहे हैं। अधिकारियों ने मंगलवार को यह जानकारी दी। यहां जारी एक बयान में कहा गया है कि सरकार ने 3.06 लाख किसानों को प्राकृतिक खेती के तरीकों का प्रशिक्षण दिया है और वर्ष 2025–26 तक इस पहल के तहत एक लाख नए किसानों को जोड़ने का लक्ष्य रखा है। अब तक 88 विकास खंडों के 59,068 किसानों और बागवानी करने वालों ने कृषि विभाग में पंजीकरण फॉर्म जमा कर दिए हैं। मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने कहा, ''राज्य की लगभग 90 प्रतिशत आबादी गांवों में रहती है और कृषि उनका प्राथमिक व्यवसाय है। ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करना हमारी प्राथमिकता है। पिछले ढाई वर्षों में, हमने किसानों को सशक्त बनाने, उनकी आय बढ़ाने और उनके जीवन स्तर को बेहतर बनाने के लिए कई योजनाएं शुरू की हैं।'' हिमाचल प्रदेश सरकार प्राकृतिक उत्पादों के लिए देश में सबसे ज्यादा न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) भी दे रही है। वर्तमान में, राज्य सरकार प्राकृतिक खेती से उगाए गए मक्के के लिए 40 रुपये प्रति किलोग्राम, गेहूं के लिए 60 रुपये प्रति किलोग्राम, कच्ची हल्दी के लिए 90 रुपये प्रति किलोग्राम और पांगी क्षेत्र से प्राप्त जौ के लिए 60 रुपये प्रति किलोग्राम का एमएसपी प्रदान कर रही है। किसानों को और अधिक सहायता प्रदान करने के लिए, सरकार ने 'प्राकृतिक खेती–आधारित सतत खाद्य प्रणाली' शुरू की है, जिसके अंतर्गत राज्य सरकार और नाबार्ड से 50–50 प्रतिशत वित्तीय सहायता के साथ किसान–उत्पादक कंपनियां (एफपीसी) स्थापित की जा रही हैं। अब तक, राज्य में सात एफपीसी स्थापित की जा चुकी हैं। राज्य सरकार हिम–भोग ब्रांड के तहत प्राकृतिक खेती से उगाए गए उत्पादों को बढ़ावा दे रही है, जिससे यह सुनिश्चित हो सके कि उपभोक्ताओं को अत्यधिक पौष्टिक और रसायन–मुक्त उत्पाद प्राप्त हों।

हरदीप पुरी ने जैव–ईंधन से वाहनों का इंजन खराब होने के दावों को बकवास बताया

पेट्रोलियम मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने जैव–ईंधन के इस्तेमाल से वाहनों के इंजन को नुकसान होने संबंधी दावे को मंगलवार को बकवास बताते हुए खारिज कर दिया। इसके साथ ही पुरी ने कहा कि 20 प्रतिशत एथनॉल के मिश्रण वाले पेट्रोल (ई–20) का वाहनों में इस्तेमाल पर्यावरण के लिहाज से पूरी तरह सुरक्षित है। पेट्रोलियम मंत्री ने केपीएमजी के वार्षिक ऊर्जा एवं संसाधन सम्मेलन एनरिच 2025 को संबोधित करते हुए कहा, "जैव–ईंधन से इंजन खराब होने की जो कहानियां सुनते हैं, वे सब 'बीएस' हैं।" यहां पर उनका इशारा बकवास के अंग्रेजी तंज की तरफ था। उन्होंने कहा कि गन्ने या अनाज से प्राप्त एथनॉल से बनाया जाने

वाला ई–20 पेट्रोल देशभर के 90,000 से अधिक पेट्रोल पंपों पर उपलब्ध है और वाहनों में इस्तेमाल के लिए सुरक्षित है। कुछ वाहन चालकों और वाहन विनिर्माताओं ने पुराने वाहनों पर ई–20 पेट्रोल के असर को लेकर चिंताएं जताई थीं, लेकिन बाद में कहा गया कि वाहन इसके इस्तेमाल को लेकर सुरक्षित हैं। हालांकि पुरी ने यह स्वीकार किया कि ई–20 के इस्तेमाल पर पुराने वाहनों में रबर से बने कुछ कलपुर्जों और गैस्केट को बदलने की जरूरत हो सकती है लेकिन यह एक सरल प्रक्रिया है। उन्होंने कहा कि 2014 में पेट्रोल में एथनॉल मिश्रण मात्र 1.4 प्रतिशत होता था, जो अब बढ़कर 20 प्रतिशत हो गया है। मंत्री ने कहा, अब मैं इसे यहीं पर पूरी तरह रोक देना चाहता हूं। अब हम इसका आकलन करेंगे कि हमें कहां जाना है। आप जो भी कहानियां सुनते हैं कि हम इसे लेकर एक और छलांग लगाने जा रहे हैं, अभी हम उस निष्कर्ष पर नहीं पहुंचे हैं। पुरी ने कहा कि भारत की ऊर्जा मांग अगले दो दशकों में वैश्विक औसत से तीन गुना बढ़ने का अनुमान है और दुनिया की ऊर्जा मांग में 25 प्रतिशत वृद्धि अकेले भारत से होगी। ऐसे में आयात पर 88 प्रतिशत निर्भरता को कम करने और उत्सर्जन घटाने के लिए जैव–ईंधन अनिवार्य है। पिछले महीने मंत्रालय ने स्पष्ट किया था कि ई–20 पेट्रोल से वाहनों के माइलेज में केवल एक–दो प्रतिशत (चार पहिया वाहनों में) और तीन–छह प्रतिशत (अन्य वाहनों में) की गिरावट होती है।

महाराष्ट्र सरकार ने कीमत स्थिरता के लिए केंद्र से प्याज निर्यात सब्सिडी दोगुनी करने का आग्रह किया

महाराष्ट्र के विपणन मंत्री जयकुमार रावल ने मंगलवार को कहा कि मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने केंद्र से प्याज निर्यात पर सब्सिडी दोगुनी करने का आग्रह किया है ताकि बाजार में कीमतों में स्थिरता को सुनिश्चित किया जा सके और राज्य के किसानों को लाभ मिल सके। मंत्रालय में एक समीक्षा बैठक के बाद संवाददाताओं से बात बातचीत में मंत्री ने कहा कि इस वर्ष राज्य में प्याज का उत्पादन 55 लाख टन बढ़ा है। उन्होंने कहा, ''मौजूदा स्थिति को देखते हुए, निर्यात को बढ़ावा देना और अन्य उपाय करना आवश्यक है। केंद्र ने निर्यात सब्सिडी दोगुनी करने के राज्य के अनुरोध पर सकारात्मक प्रतिक्रिया दी है।'' कृषि मंत्री दत्तात्रेय भारणे, कृषि मूल्य आयोग के प्रमुख पाशा पटेल, वरिष्ठ विधायक और नेफेड तथा एनसीसीएफ के अधिकारी समीक्षा बैठक में शामिल हुए। महाराष्ट्र प्याज का एक प्रमुख उत्पादक राज्य है। नासिक जिले के लासलगांव में प्याज की सबसे बड़ी मंडी है। लासलगांव प्याज बाजार की दरें एक मानक के रूप में कार्य करती हैं, जो एशियाई बाजार में प्याज की कीमतों को प्रभावित करती हैं। प्याज को केंद्र से एक निश्चित प्रतिशत सब्सिडी मिलती है, जिसे राज्य ने अंतर्राष्ट्रीय बाजारों में निर्यात को प्रतिस्पर्धी बनाने के लिए दोगुना करने की मांग की है, जिससे घरेलू कीमतों को समर्थन मिल सके।

ओमान के खिलाफ मैच के लिए भारत की प्लेइंग–11 में होगा बदलाव ? जसप्रीत बुमराह को मिल सकता है आराम

भारतीय टीम प्रबंधन ओमान के खिलाफ मैच के लिए प्लेइंग–11 में कोई बड़ा बदलाव करने से बचान चाहेगा, लेकिन इस बात की अधिक संभावना है कि तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह को इस मैच से आराम दिया जाए।

दुबई। एशिया कप में लगातार दो मैच जीतकर सुपर चार चरण के लिए क्वालिफाई कर चुकी भारतीय टीम का सामना अब शुक्रवार को ग्रुप ए के अंतिम मैच में ओमान से होगा। भारत ने यूएई और पाकिस्तान को एकतरफा मैच में हराया। टीम इन दोनों ही मैचों में तीन स्पिनर एक विशेषज्ञ तेज गेंदबाज को लेकर उतरी थी और अब देखना दिलचस्प होगा कि ओमान के खिलाफ भारत रणनीति में कोई बदलाव करता है या नहीं।

प्लेइंग–11 में बड़ा बदलाव करने से बचना चाहेगा भारत

भारतीय टीम प्रबंधन ओमान के खिलाफ मैच के लिए प्लेइंग–11 में कोई बड़ा बदलाव करने से बचान चाहेगा, लेकिन इस बात की अधिक संभावना है कि तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह को इस मैच से आराम दिया जाए। भारत सुपर चार में 21, 24 और 26 सितंबर को अपने मैच खेल सकता है, इसके बाद 28 सितंबर को फाइनल होगा। ऐसे में टूर्नामेंट की प्रबल दावेदार यह टीम अगर खिताबी मुकाबले के लिए क्वालिफाई करती है तो उसे सात दिनों में चार मैच खेलने पड़ सकते हैं।

बुमराह के कार्यभार प्रबंध को लेकर हमेशा से ही चर्चा चलती है और ओमान के खिलाफ मैच से भारत आगे के लिए अपनी तैयारियां परखेगा। ऐसे में टीम प्रबंधन बुमराह को आराम देने पर विचार कर सकता है। टीम प्रबंधन अपने प्रमुख तेज गेंदबाज को आगे के चुनौतीपूर्ण दौर के लिए तरोताजा रखने के महत्व को समझता है। बुमराह खुद मैच से बाहर रहना चाहते हैं या नहीं, इसका पता नहीं चला है लेकिन यह फैसला व्यावहारिक होने की उम्मीद है

क्योंकि उन्हें किसी कम महत्व वाले मैच की जगह टूर्नामेंट के आखिरी चरण के लिए पूरी तरह से तैयार रखना बेहतर है विकल्प है।

अर्शदीप या हर्षित को मिल सकता है मौका

अगर बुमराह बाहर रहे तो उनकी जगह अर्शदीप सिंह या हर्षित राणा में से किसी को मौका मिल सकता है। अर्शदीप का दावा हालांकि मजबूत होगा क्योंकि वह अधिक अनुभवी हैं और टी20 अंतरराष्ट्रीय में 100 विकेट पूरा करने के करीब है। बल्लेबाजी के मोर्चे पर शीर्ष और मध्यक्रम के बल्लेबाज मैच की परिस्थितियों में क्रीज पर अधिक समय बिताना पसंद करेंगे।

यूएई और पाकिस्तान के खिलाफ भारत के शुरुआती दो मैच एकतरफा रहे थे और ऐसे में ओमान के खिलाफ बैखौफ बल्लेबाजी कर टीम बांग्लादेश, अफगानिस्तान और श्रीलंका जैसे मुश्किल प्रतिद्वंद्वियों से भिड़ने से पहले अपने खेल को और बेहतर कर सकती है। भारत ने यूएई को नौ विकेट से, जबकि पाकिस्तान को सात विकेट से शिकस्त की थी। दोनों ही मैचों में भारत की गेंदबाजी काफी अच्छी रही थी और भारत ने कम लक्ष्य का आसानी से पीछा किया था।

'ऐसे खिलाड़ियों को देखकर दुख होता है', वसीम अकरम ने पाक बल्लेबाजों को लगाई फटकार

दुबई। एशिया कप 2025 के ग्रुप–ए मुकाबले में भारत ने पाकिस्तान को करारी शिकस्त दी। रविवार को खेले गए इस हाई–वोल्टेज मैच में पाकिस्तान को सात विकेट से हार का सामना करना पड़ा। अब पाकिस्तान के पूर्व दिग्गज तेज गेंदबाज वसीम अकरम का इस पर बयान आया है। उन्होंने पाकिस्तानी बल्लेबाजों को जमकर लताड़ लगाई है।

मैच में क्या हुआ?

भारत के कप्तान सूर्यकुमार यादव ने टॉस जीतकर गेंदबाजी चुनी। पाकिस्तान की टीम पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में नौ विकेट पर सिर्फ 127 रन ही बना सकी। भारत की ओर से कुलदीप यादव ने शानदार गेंदबाजी करते हुए तीन विकेट झटके। इसके बाद टीम इंडिया ने 15.5 ओवर में ही लक्ष्य हासिल कर लिया। कप्तान सूर्यकुमार यादव 47 रन बनाकर नाबाद लौटे। इसके अलावा अभिषेक शर्मा (13 गेंद पर 31 रन) और तिलक वर्मा (31 रन) ने भी तेज पारी खेली और टीम को आसान जीत दिलाई।

वसीम अकरम का बड़ा बयान

पाकिस्तानी बल्लेबाजों का प्रदर्शन बेहद खराब रहा। सिर्फ साहिबजादा फरहान (44 रन) और शाहीन अफरीदी (33 रन) ही कुछ संघर्ष कर पाए, जबकि बाकी बल्लेबाज 15 रन का आंकड़ा भी नहीं छू पाए। अब वसीम अकरम ने अपनी टीम के बल्लेबाजों पर निशाना साधते हुए कहा कि पाकिस्तानी बल्लेबाज कुलदीप यादव को पढ़ ही नहीं पाए और बार–बार स्वीप शॉट खेलते रहे।

कुलदीप को पढ़ नहीं पाए पाकिस्तानी

अकरम ने कहा, श्कुलदीप जिस तरह गेंदबाजी करते हैं, वे उसे पढ़ नहीं पाए। मैंने प्री–शो में सुनील गावस्कर से बात की थी, उन्होंने भी कहा था कि जब तक आप गेंद को हाथ से पढ़ नहीं सकते, तब तक ऐसे गेंदबाज को समझ पाना मुश्किल है। पाकिस्तानी बल्लेबाज हर दूसरे गेंद पर स्वीप शॉट खेल रहे थे, इसका मतलब है कि वे कुलदीप को समझ ही नहीं पा रहे थे।

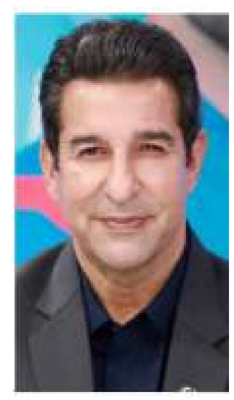

डॉट बॉल्स पर भी जताई नाराजगी

अकरम यहीं नहीं रुके। उन्होंने हसन नवाज और कप्तान सलमान अली आगा के प्रदर्शन पर भी निराशा जताई। अकरम ने कहा, श्पाकिस्तान ने अपनी पारी में 63 डॉट गेंदें खेलीं, यानी पूरे 10 ओवर बिना रन बनाए निकाले। इसका श्रेय भारतीय गेंदबाजों को जाता है। दुख होता है ऐसे खिलाड़ियों को देखकर। हसन नवाज, हारिस और हमारे कप्तान। वे टैलेंटेड हैं, लेकिन आपको स्थिति पढ़नी होगी, गेंदबाज को समझना होगा। वे सब 150 के स्ट्राइक रेट के पीछे भाग रहे थे।

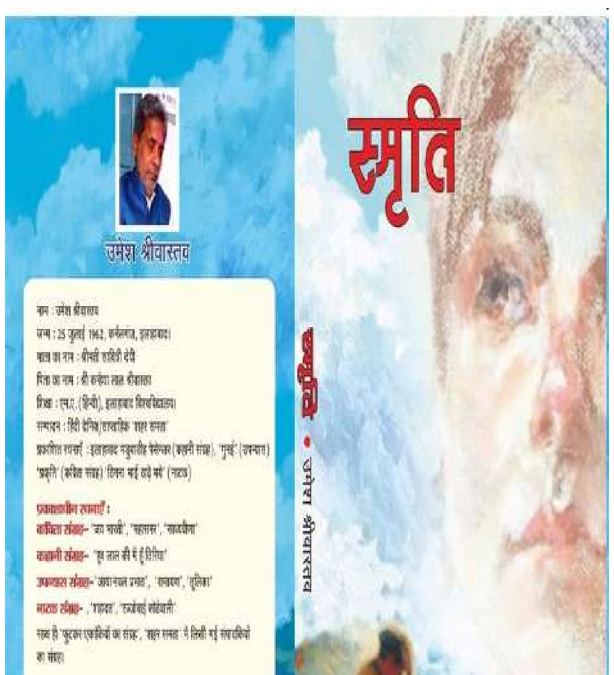

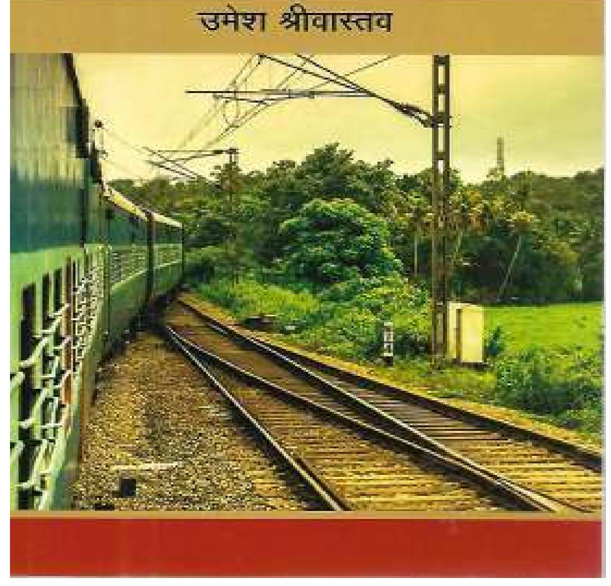

समूह के लोकप्रिय साहित्यकार श्री उमेश श्रीवास्तव जी का कहानी संग्रह इलाहाबाद मडुवाडीह पैसेंजर प्रकाशित हो गया है। उमेश श्रीवास्तव जी को बहुत बधाई एवम शुभकामना।

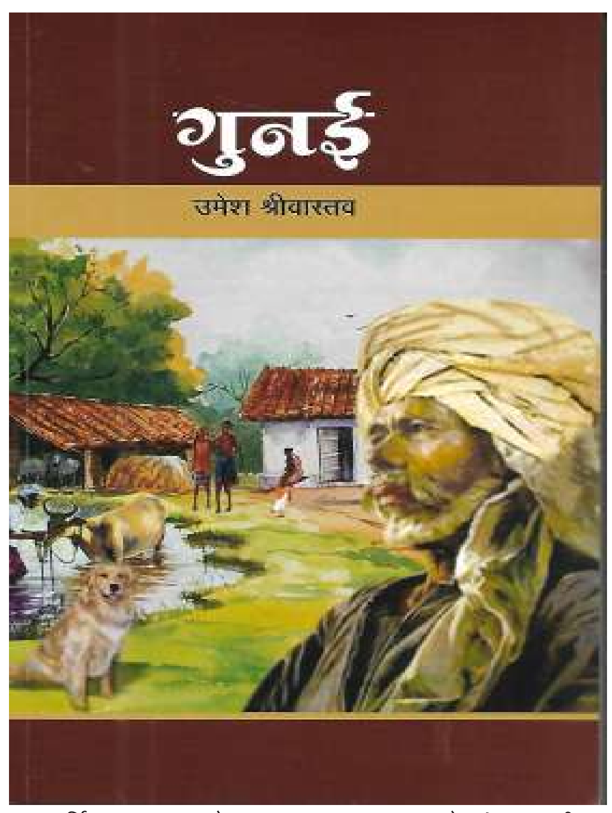

चर्चित कथाकार और शहर समता अखबार के संपादक श्री उमेश श्रीवास्तव जी का ग्रामीण पृष्ठभूमि पर लिखा बहु प्रतीक्षित

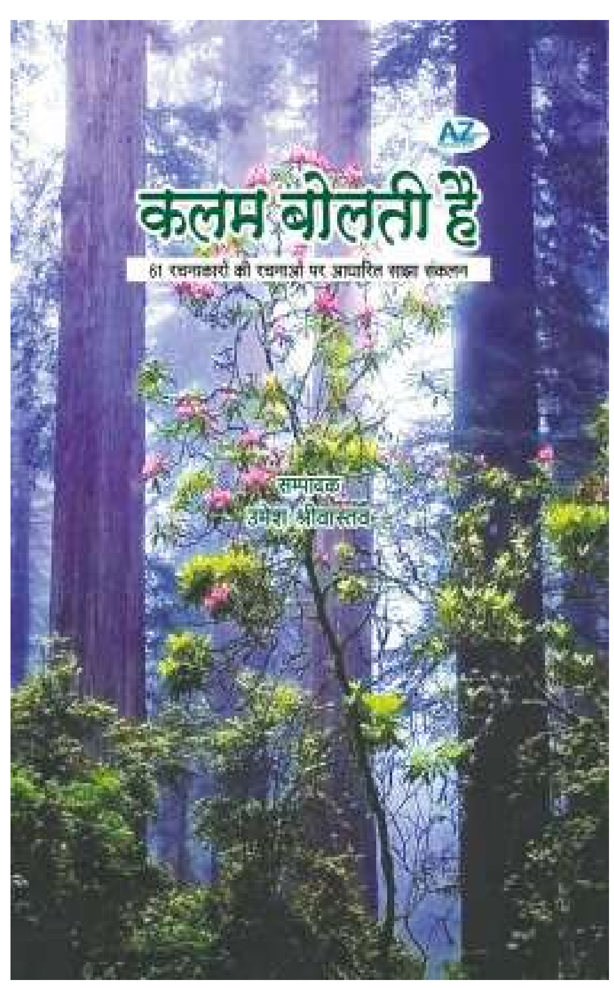

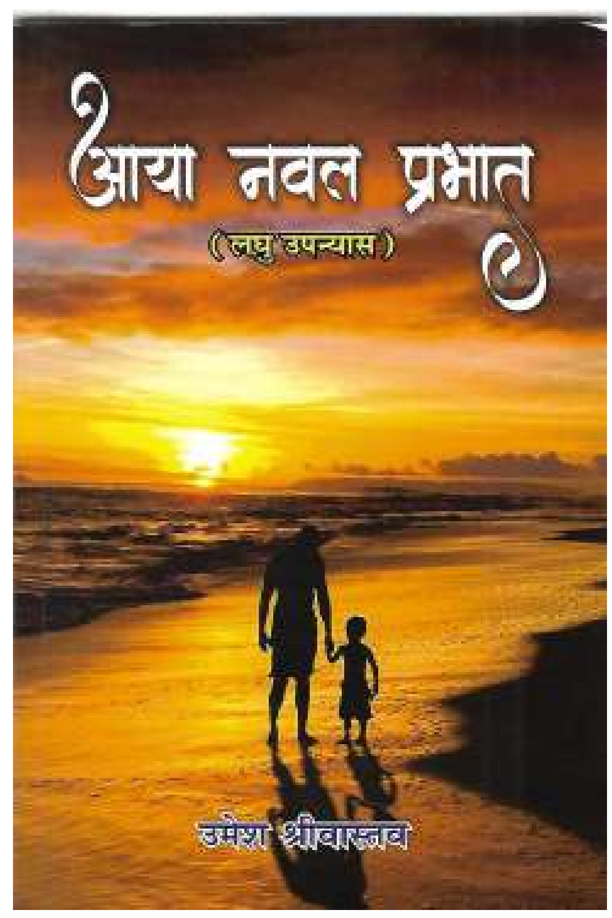

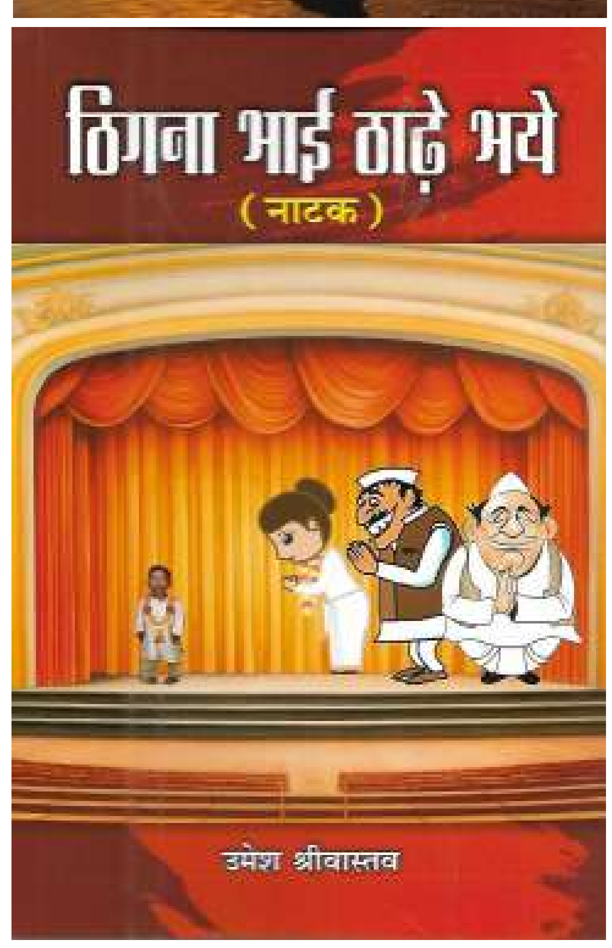

ठिगना भाई ठाढ़े भये (Thigna Bhai Thade Bhaye)

संक्षिप्त

ट्रंप ने टिकटॉक को अमेरिका में उपलब्ध रखने की समयसीमा बढ़ायी

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सोशल मीडिया ऐप टिकटॉक को अमेरिका में उपलब्ध रखने की समयसीमा औपचारिक रूप से 16 दिसंबर तक बढ़ा दी है। इससे अमेरिकी और चीनी सरकारी अधिकारियों के बीच वार्ता के बाद सोमवार को घोषित समझौते की रूपरेखा को पूरा करने का समय मिल गया है। ट्रंप ने मंगलवार को चौथी बार कार्यकारी आदेश जारी किया, जिसके जरिये संघीय कानून को दरकिनार करते हुए चीन से जुड़ी टिकटॉक के लिए अपनी संपत्ति किसी अमेरिकी कंपनी को बेचने या प्रतिबंध का सामना करने के लिए समय सीमा बढ़ायी गई है। मूल समय सीमा इस साल 19 जनवरी थी, यानी ट्रंप के दूसरे कार्यकाल की शपथ लेने से एक दिन पहले। ट्रंप से मंगलवार को उस समझौते के बारे में पूछा गया जिसकी घोषणा उन्होंने एक दिन पहले की थी और उन्होंने दोहराया कि वह शुक्रवार को चीनी राष्ट्रपति शी चिनफिंग के साथ टिकटॉक पर चर्चा करेंगे। उन्होंने कहा कि कुछ कंपनियां बाइटडांस के स्वामित्व वाले सोशल मीडिया ऐप को खरीदना चाहती हैं और इसके संभावित दावेदारों के बारे में जल्द ही जानकारी दी जाएगी।

संसद अटैक और 26/11 के पीछे मसूद अजहर का हाथ, जैश आतंकी ने खोली पाकिस्तान की पोल

जैश–ए–मोहम्मद के एक वरिष्ठ आतंकवादी ने अपने आका मसूद अज़हर को दिल्ली और मुंबई में हमलों की योजना बनाने और उन्हें अंजाम देने में सीधे तौर पर शामिल बताया है, जिससे पाकिस्तान द्वारा अपनी धरती पर आतंकी समूहों को पनाह देने के बार–बार किए गए इनकार की धज्जियाँ उड़ गई हैं। संयुक्त राष्ट्र द्वारा घोषित इस आतंकी समूह के एक शीर्ष कमांडर मसूद इलियास कश्मीरी ने एक वीडियो में स्वीकार किया कि भारत के सबसे वांछित आतंकवादियों में से एक, अज़हर ने पाँच साल की कैद के बाद भारत द्वारा रिहा किए जाने के बाद पाकिस्तान से आतंकी हमलों की योजना बनाई थी। कश्मीरी ने कहा कि अज़हर का ठिकाना बकलोत में था, जिसे 2019 में भारत ने हवाई हमलों में निशाना बनाया था। कश्मीरी ने कहा कि दिल्ली की

तिहाड़ जेल से भागने के बाद, अमीर–उल–मुजाहिदीन मौलाना मसूद अज़हर पाकिस्तान पहुँचता है। बालाकोट की धरती उसे अपने विज़न, मिशन और कार्यक्रम को आगे बढ़ाने के लिए एक आधार प्रदान करती है। दिल्ली और बॉम्बे ख्मुंबई, – देश को आतंकित करने वाले अमीर–उल–मुजाहिदीन मौलाना मसूद अज़हर का रूप कुछ ऐसा ही है। कश्मीरी की टिप्पणी से इस्लामाबाद के पास आतंकवादी पनाहगाहों की मौजूदगी से इनकार करने की बहुत कम गुंजाइश बचती है। जैश कमांडर ने खुले तौर पर पाकिस्तान के बालाकोट को भारत के खिलाफ आतंक फैलाने के अजहर के अभियान का आधार बताया, यहाँ तक कि ओसामा बिन लादेन को एक शहीद बताया जिसने इस विचारधारा को आकार दिया। उसका यह कबूलनामा भारत के लंबे समय से चले आ रहे इस दावे की पुष्टि करता है कि जैश के शिविर पाकिस्तान के सैन्य–सुरक्षा प्रतिष्ठान की निगरानी में खुलेआम चल रहे थे, जबकि इस्लामाबाद दुनिया को बताता रहा है कि उसकी सीमाओं के भीतर कोई आतंकवादी ठिकाना नहीं है।

ट्रंप की यात्रा से पहले विंडसर कैसल के पास ड्रोन उड़ाने के आरोप में दो व्यक्ति गिरफ्तार

ब्रिटेन में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की राजकीय यात्रा के लिए लागू हवाई क्षेत्र प्रतिबंधों का उल्लंघन करते हुए विंडसर कैसल के पास ड्रोन उड़ाने के आरोप में अधिकारियों ने मंगलवार को दो लोगों को गिरफ्तार किया। थेम्स वैली पुलिस ने कहा कि इन लोगों को ट्रंप के आगमन से पहले लागू कड़ी सुरक्षा योजना के तहत गिरफ्तार किया गया है। ट्रंप के कार्यक्रमों में बुधवार को कैसल में राजा चार्ल्स तृतीय द्वारा आयोजित एक भव्य भोज भी शामिल है। पुलिस ने बताया कि 37 वर्षीय दोनों संदिग्धों को विंडसर कैसल के आसपास के एक बड़े क्षेत्र में लागू अस्थायी प्रतिबंधों का उल्लंघन करते हुए ड्रोन उड़ाने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। मंगलवार देर रात कैसल के राउंड टॉवर के ऊपर रॉयल स्टैंडर्ड ध्वज लहरा रहा था, जो दर्शाता है कि चार्ल्स वहां मौजूद थे।

असीम मुनीर के आदेश पर आतंकियों के जनाजे में शामिल हुए थे पाक अधिकारी, जैश कमांडर का चौंकाने वाला खुलासा

जैश–ए–मोहम्मद के एक शीर्ष कमांडर मसूद इलियास कश्मीरी ने एक चौंकाने वाले कबूलनामे में कहा है कि पाकिस्तानी सेना प्रमुख असीम मुनीर ने अधिकारियों को ऑपरेशन सिंदूर में मारे गए आतंकवादियों के अंतिम संस्कार में शामिल होने का निर्देश दिया था। यह खुलासा कुछ महीने पहले वर्दीधारी पाकिस्तानी कर्मियों द्वारा एक मारे गए आतंकवादी के अंतिम संस्कार में शामिल होने की तस्वीरें सामने आने के बाद हुआ है। इलियास कश्मीरी ने आगे कहा कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान पाकिस्तान के बहावलपुर शहर में जैश के शिविर में मारे गए आतंकवादियों के अंतिम संस्कार में शामिल होने का आदेश सेना प्रमुख ने सीधे अपने जनरलों को दिया था। उन्होंने यह भी दावा किया कि पाकिस्तानी सेना की मीडिया और जनसंपर्क शाखा, इंटर–सर्विसेज पब्लिक रिलेशंस (आईएसपीआर) के महानिदेशक ने संयुक्त राष्ट्र द्वारा प्रतिबंधित आतंकवादी समूह और बहावलपुर में शिविरों के बीच संबंधों को छिपाने का प्रयास किया।

आवश्यकता है

उत्तर प्रदेश राज्य के प्रयागराज जिले से प्रकाशित समाचार पत्र को समस्त जनपदों में एवम तहसील व ब्लॉक/शहर में ब्यूरो प्रमुख, चीफ रिपोर्टर, संवाददाता, प्रतिनिधि मण्डल की अवश्यकता है जिन्हे आकर्षण वेतन और भत्ते आदि सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

सम्पर्क सूत्र

शहर समता हिन्दी दैनिक/साप्ताहिक समाचार पत्र

मोबाईल नम्बर 9190052 39332

.919450482227

नयी मुसीबत 'इस्लामिक नाटो' की आहट! परमाणु संपन्न पाकिस्तान की अति–सक्रियता, भारत को क्यों रहना होगा सतर्क और तैयार?

ईरान और इराक उन इस्लामी देशों में शामिल हैं जो एक एकीकृत मुस्लिम सैन्य गठबंधन के गठन का आह्वान कर रहे हैं जो इज़राइल सहित दुश्मनों का मुकाबला कर सके। उनका मानना ख्है कि ध्इस्लामिक नाटोध् को एक रक्षात्मक, और ज़रूरत पड़ने पर आक्रामक सिद्धांत भी अपनाना चाहिए। इस्लामिक गठबंधन बनाने का यह खुला आह्वान ऐसे समय में आया है जब सोमवार को कतर में इस्लामिक सहयोग संगठन (ब्) का एक आपातकालीन शिखर सम्मेलन आयोजित हुआ, जो इज़राइल द्वारा कतर पर हमले के बाद हुआ था। 40 से ज़्यादा अरब और इस्लामी देशों के नेताओं ने दोहा में एक आपातकालीन शिखर सम्मेलन बुलाया, एजेंडा पिछले हफ़्ते क़तर की राजधानी में हमास नेताओं पर इज़राइल द्वारा किए गए हमले के बाद, उसे एकजुट जवाब देना था। हालाँकि इस चर्चा में निंदा और अस्पष्ट वादों के अलावा कुछ ख़ास हासिल नहीं हुआ, लेकिन सदस्य देशों के लिए नाटो–शैली के सैन्य गठबंधन के विचार का ज़ोरदार स्वागत हुआ। इस बैठक में पाकिस्तान और तुर्की दोनों ने भाग लिया। पाकिस्तान, जो एकमात्र परमाणु–सशस्त्र मुस्लिम देश है, और तुर्की, जो नाटो का एक सदस्य है और जिसने चार दिनों के छोटे युद्ध के दौरान भारत के ख़िलाफ़ हथियारों और सैनिकों के साथ

इस्लामाबाद का समर्थन किया था, के साथ, एक अरब–इस्लामी नाटो की संभावना नई दिल्ली में कुछ बेचैनी पैदा कर सकती है। स्वघोषित उम्माह समर्थक पाकिस्तान ने दोहा शिखर सम्मेलन में एक मुखर भूमिका निभाते हुए, एक ध्अरब–इस्लामी टास्क फ़ोर्सध् की ज़ोरदार वकालत की। प्रधानमंत्री/विदेश मंत्री इशाक डार ने कहा, ध्ज़राइल को इस्लामी देशों पर हमला करने और लोगों की हत्या करने की छूट नहीं दी जानी चाहिए।ध् इस शिखर सम्मेलन में पाकिस्तानी प्रधानमंत्री शहबाज़ शरीफ़ भी शामिल हुए। पाकिस्तान का यह सक्रिय रुख़ महज़ बयानबाज़ी से कहीं ज़्यादा हो सकता है, क्योंकि अरब–इस्लामी नाटो में उसकी भागीदारी सीधे तौर पर उसकी रणनीतिक महत्वाकांक्षाओं, ध्रणनीतिक गहराईध् की उसकी चाहत, उसकी संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद और हर संभव मंच पर कश्मीर मुद्दे का अंतर्राष्ट्रीयकरण करने की उसकी आदतन कोशिशों से जुड़ी है। भारत के लिए, इस्लामाबाद के साथ एक ध्अरब–इस्लामिक नाटोध् की संभावना कुछ चिंता का विषय हो सकती है।

पाकिस्तान संयुक्त कार्यबल के लिए आक्रामक रूप से वकालत कर रहा है

दोहा में शिखर सम्मेलन के दौरान, दुनिया का एकमात्र परमाणु–सशस्त्र मुस्लिम राष्ट्र, जिसके पास अनुमानित 170 परमाणु हथियार हैं, नए सैन्य गठबंधन का मुखर समर्थक बनकर उभरा। शहबाज शरीफ और इशाक डार के प्रतिनिधित्व में, इस्लामाबाद ने इस कार्यक्रम को सह–प्रायोजित किया और ध्इज़राइली मंसूबोंध् पर नज़र रखने के लिए एक ध्अरब–इस्लामिक टास्क फोर्सध् की पैरवी की। डार ने चेतावनी दी कि दुनिया के 1.8 अरब मुसलमान एक ध्स्पष्ट रोडमैपध् के लिए ध्इस शिखर सम्मेलन पर नज़र गड़ाए हुए हैं। शरीफ ने एक संयुक्त अरब–इस्लामिक बल के आह्वान को दोहराते हुए, सऊदी क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान को संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में पाकिस्तान के 2026 तक अस्थायी सदस्य बने रहने के लिए समर्थन का आश्वासन दिया। अमेरिका के नेतृत्व वाले नाटो के सदस्य, तुर्की ने इज़राइल विरोधी स्वर को और तेज़ किया, लेकिन बीच में ही रुककर यहूदी राज्य पर आर्थिक दबाव बनाने का आह्वान किया। राष्ट्रपति रेचेप तैयप एर्दोगन ने इज़राइल के हमलों को संप्रभुता पर एक ध्लालची, खूनीध् हमला करार दिया।

इस्लामिक–अरब नाटो में पाकिस्तान और भारत के लिए निहितार्थ

लेकिन भारत के लिए, इसके निहितार्थ गहरे और बहुआयामी हो सकते हैं। पाकिस्तान ने लंबे समय से बहुपक्षीय गठबंधनों और मंचों का लाभ उठाया है, अरब फंडिंग और तकनीक का इस्तेमाल अपने आर्थिक संकट के दौरान किया है, और ओआईसी शिखर सम्मेलनों जैसे मंचों पर कश्मीर का अंतर्राष्ट्रीयकरण किया है। दोहा वार्ता में एक और सदस्य तुर्की था। अंकारा कश्मीर पर पाकिस्तान के बयान को बढ़ा–चढ़ाकर पेश कर रहा है, और एक परमाणु–सक्षम इस्लामी सैन्य गठबंधन दक्षिण एशियाई तनाव को बढ़ा सकता है। भारत कश्मीर पर एर्दोगन के रुख की आलोचना करता रहा है। मई में चार दिनों के छोटे युद्ध के दौरान भी, अंकारा ने न केवल सैन्य उपकरण साझा किए, बल्कि भारत के खिलाफ पाकिस्तान में अपने कर्मियों और तकनीशियनों को भी भेजा। नाटो जैसे सुरक्षा समझौते में, जहाँ एक सदस्य पर हमला सभी पर हमला माना जाता है, और सैन्य प्रतिक्रियाएँ समन्वित होती हैं, ऐसा गठबंधन स्वाभाविक रूप से भारत को असहज कर सकता है, खासकर जब पाकिस्तान और तुर्की दोनों इसका हिस्सा हों। अगर यह समूह नाटो की तर्ज पर बनाया जाता है, जहाँ एक पर हमला सभी सदस्यों पर हमला माना जाता है, तो पाकिस्तान का हौसला बढ़ सकता है। इससे इस्लामाबाद को भारत विरोधी गतिविधियों के लिए एक और बहुपक्षीय मंच मिल सकता है। इसके अलावा, नई दिल्ली के इज़राइल के साथ संबंध, जो रक्षा (वार्षिक हथियार आयात में 2 अरब डॉलर से अधिक) और ऊर्जा तक फैले हैं, उसे शिखर सम्मेलन के इज़राइल–विरोधी रुख के विपरीत ला सकते हैं। यह तब है जब भारत ने फ़िलिस्तीन–इज़राइल मुद्दे पर एक संतुलित रुख अपनाया है और हाल ही में संयुक्त राष्ट्र महासभा में एक फ़िलिस्तीनी राष्ट्र के लिए मतदान किया है। हालाँकि, अभी तक, ध्अरब नाटोध् मुख्य रूप से इज़राइल के विरुद्ध है, जबकि सऊदी अरब, संयुक्त अरब अमीरात और मिस्र जैसे संभावित सदस्य भारत के साथ मैत्रीपूर्ण संबंध बनाए हुए हैं। और इन सैन्य बलों की सक्रियता को लेकर चर्चा भारत पर नहीं, बल्कि इज़राइल पर केंद्रित है। पाकिस्तान और तुर्की के सदस्य होने के साथ ये गतिशीलता कैसे सामने आती है, यह देखना महत्वपूर्ण होगा। संक्षेप में, जबकि ध्अरब नाटोध् अभी भी नवजात है, पाकिस्तान की भूमिका भारत को कुछ रणनीतिक बेचैनी दे सकती है। हालाँकि, अगर ऐसा कोई समूह कभी वास्तविकता बनता है, तो भारत को प्रमुख क्षेत्रीय खिलाड़ियों का ठोस समर्थन प्राप्त है। दोहा शिखर सम्मेलन के बाद जैसे–जैसे धूल जमती है, असली परीक्षा सैन्य गठबंधन को मजबूत करने में है, जिसमें राष्ट्र आपस में झगड़ते रहते हैं।

ट्रंप ने मोदी को जन्मदिन की बधाई दी, रूस–यूक्रेन युद्ध समाप्त करने में सहयोग के लिए धन्यवाद दिया

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने मंगलवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के साथ उनकी फोन पर बातचीत "बहुत अच्छी" रही और इस दौरान उन्होंने अपने "मित्र" को जन्मदिन की बधाई दी और रूस–यूक्रेन युद्ध समाप्त करने में सहयोग के लिए भारतीय नेता का आभार जताया। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को उनके 75वें जन्मदिन से एक दिन पहले फोन किया और उन्हें शुभकामनाएं दीं। इसे शुल्क के मुद्दे पर दोनों देशों के मध्य तनाव के बीच भारत के साथ संबंध सुधारने के अमेरिकी प्रयासों के हिस्से के रूप में एक महत्वपूर्ण संकेत के रूप में देखा जा रहा है। ट्रंप ने ट्रुथ सोशल पर पोस्ट किया, "अभी–अभी अपने मित्र, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से फ़ोन पर बहुत अच्छी बातचीत हुई। मैंने उन्हें जन्मदिन की ढेर सारी शुभकामनाएं दीं। वे बहुत अच्छा काम कर रहे हैं। नरेंद्र‌ रूस और यूक्रेन के बीच युद्ध समाप्त करने में आपके समर्थन के लिए धन्यवाद।" उन्होंने अपने संदेश को नीचे राष्ट्रपति डीजेटी लिखा। मोदी ने 'एक्स' पर पोस्ट

किया और अपने 75वें जन्मदिन पर ट्रंप के फोन कॉल और बधाई के लिए उन्हें धन्यवाद दिया। प्रधानमंत्री ने कहा, मेरे मित्र, राष्ट्रपति ट्रंप, मेरे 75वें जन्मदिन पर आपके फोन कॉल और हार्दिक बधाई के लिए धन्यवाद। उन्होंने कहा, आपकी तरह मैं भी भारत–अमेरिका व्यापक एवं वैश्विक साझेदारी को नयी ऊंचाइयों पर ले जाने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध हूं। हम यूक्रेन संघर्ष के शांतिपूर्ण समाधान की दिशा में आपकी पहल का समर्थन करते हैं। ट्रंप ने कहा कि मोदी बहुत अच्छा काम कर रहे हैं और उन्होंने यूक्रेन में युद्ध समाप्त करने में प्रधानमंत्री के सहयोग के लिए उन्हें धन्यवाद दिया। अमेरिकी राष्ट्रपति ने प्रधानमंत्री मोदी को फोन ऐसे दिन किया, जब भारत और अमेरिका ने प्रस्तावित द्विपक्षीय व्यापार समझौते पर नयी दिल्ली में वार्ता का एक नया दौर आयोजित किया। अमेरिका द्वारा भारत पर 50 प्रतिशत शुल्क लगाए जाने के बाद हुई इस बातचीत को महत्वपूर्ण माना जा रहा है, क्योंकि यह दोनों नेताओं द्वारा सोशल मीडिया पर संदेशों के आदान–प्रदान के कुछ दिनों बाद हुई है, जिसमें संबंधों को फिर से बेहतर बनाने की मंशा का संकेत दिया गया था। ट्रंप द्वारा भारतीय वस्तुओं पर शुल्क को बढ़ाकर 50 प्रतिशत किए जाने के बाद नयी दिल्ली और वाशिंगटन के बीच संबंध तनावपूर्ण हो गए थे, जिसमें भारत द्वारा रूसी कच्चे तेल की खरीद के लिए 25 प्रतिशत अतिरिक्त शुल्क भी शामिल था। भारत ने अमेरिकी कार्रवाई को अनुचित और अविवेकपूर्ण बताया था। पिछले कुछ सप्ताह में व्हाइट हाउस के व्यापार सलाहकार पीटर नवारो सहित ट्रंप प्रशासन के कई अधिकारियों ने भारत को निशाना बनाने के लिए आक्रामक भाषा का प्रयोग किया है, विशेष रूप से रूस के साथ उसके ऊर्जा संबंधों पर। रूस से कच्चे तेल की खरीद का बचाव करते हुए भारत यह कहता रहा है कि उसकी ऊर्जा खरीद राष्ट्रीय हित और बाजार की गतिशीलता से प्रेरित है। इससे पहले दिन में भारत और अमेरिका ने व्यापार वार्ता का एक नया दौर आयोजित किया। भारत स्थित अमेरिकी दूतावास ने कहा कि दोनों पक्षों ने नयी दिल्ली में आयोजित एक–दिवसीय बैठक के दौरान व्यापार वार्ता के अगले कदमों पर चर्चा की। दूतावास के एक प्रवक्ता ने कहा, "अमेरिका के सहायक व्यापार प्रतिनिधि ब्रेंडन लिंच ने 16 सितंबर को नयी दिल्ली में वाणिज्य मंत्रालय के विशेष सचिव राजेश अग्रवाल से मुलाकात की। बैठक में द्विपक्षीय व्यापार वार्ता के अगले चरणों पर चर्चा हुई।

पीएम मोदी के जन्मदिन पर ये क्या बोल गया रूस, पूरी दुनिया हैरान

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आज अपना 75वां जन्मदिन मना रहे हैं। पीएम मोदी के लिए आज पूरी दुनिया से बधाई, प्यार और आदर के संदेश उमड़ पड़े हैं। इजरायल, अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड और ब्रिटेन समेत कई देशों से पीएम मोदी के लिए बधाई संदेश आ रहे हैं। बारी भारत के प्रधानमंत्री मोदी के 75वें जन्मदिन की

थी तो पक्का दोस्त रूस कहां पीछे रहने वाला था। रूस से प्रधानमंत्री को आया बधाई संदेश बेहद खास है। आपको बता दें कि रूस के कट्टर दुश्मन अमेरिका के राष्ट्रपति ट्रंप की तरफ से पीएम मोदी को फोन कॉल आया। ट्रंप ने धन्यवाद दिया। अमेरिकी राष्ट्रपति ने प्रधानमंत्री मोदी को फोन ऐसे दिन किया, जब भारत और अमेरिका ने प्रस्तावित द्विपक्षीय व्यापार समझौते पर नयी दिल्ली में वार्ता का एक नया दौर आयोजित किया। वहीं रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने मोदी को जन्मदिन पर बधाई दी और मॉस्को तथा नयी दिल्ली के बीच साझेदारी को मज़बूत करने में उनके अत्यंत व्यक्तिगत योगदान की सराहना की। क्रेमलिन वेबसाइट पर प्रकाशित एक संदेश में रूसी नेता ने कहा कि आपने सरकार के प्रमुख के रूप में अपने कार्यों के माध्यम से अपने देशवासियों का उच्च सम्मान अर्जित किया और विश्व मंच पर खासा प्रभाव छोड़ा है। उन्होंने कहा कि मोदी के नेतृत्व में भारत ने सामाजिक, आर्थिक, वैज्ञानिक और तकनीकी क्षेत्रों में भी प्रभावशाली उपलब्धियां हासिल की हैं। पुतिन ने कहा कि आप हमारे देशों के बीच विशेष रणनीतिक साझेदारी को मजबूत करने तथा विभिन्न क्षेत्रों में पारस्परिक रूप से लाभकारी रूसी–भारतीय सहयोग विकसित करने में बड़ा व्यक्तिगत योगदान दे रहे हैं। इजराइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने बुधवार को मोदी को जन्मदिन की शुभकामनाएं देते हुए उन्हें अच्छा मित्र बताया। उन्होंने कहा कि आपने अपने जीवन में भारत के लिए बहुत कुछ किया है, और हमने मिलकर भारत और इज़राइल की दोस्ती में बहुत कुछ हासिल किया है। नेतन्याहू ने कहा कि मैं आपसे जल्द ही मिलने की उम्मीद करता हूं, क्योंकि हम अपनी साझेदारी और दोस्ती को और भी ऊंचाइयों पर ले जा सकते हैं।

भारत को लेकर यूक्रेन ने कर दिया ऐलान, नहीं खरीदेंगे डीजल

यूक्रेन की एनर्जी कंसल्टेंशिंग फर्म ने एनकोर ने कहा कि यूक्रेन भारत से डीजल की खरीद बंद करने जा रहा है। फर्म के मुताबिक 1 अक्टूबर से भारत से उत्पादित डीजल ईंधन के आयात पर प्रतिबंध लगाएगा। बताया जा रहा है कि ये रोक भारत के रूसी तेल खरीद को देखते हुए लगाई जा रही है। समाचार एजेंसी रॉयटर्स ने एनकोर के हवाले से ये खबर दी है। एजेंसी के मुताबिक यूक्रेन की एक अन्य कंसल्टेंसी एन 9 ने इस साल की शुरुआत में कहा था कि इस साल की गर्मियों में एक प्रमुख यूक्रेनी तेल रिफाइनरी को बंद करना पड़ा था। रिफाइनरी के बंद होने के पीछे की वजह यूक्रेनी व्यापारियों को भारत से डीजल ईंधन खरीदकर आयात करने की भरपाई करनी पड़ी। यहां तक की यूक्रेनी रक्षा मंत्रालय ने भी भारत से ईंधन की खरीद की है। इसकी क्वालिटी अच्छी मानी जाती है। रूस ड्रोन, मिसाइलों से यूक्रेन की तेल रिफाइनरी और एनर्जी सेक्टर के भंडारों पर हमले कर रहा है।

इससे यूक्रेन की रिफाइनरी और तेल स्टोरेज फैसिलिटी को नुकसान हुआ। एनकोर का कहना है कि यूक्रेनी सुरक्षा एजेंसियों ने आदेश दिया है कि भारत से खरीदे गए सभी तरह के डीजल की जांच होनी चाहिए।

फर्म का कहना है कि भारतीय डीजल की लैब में जांच हो ताकी इस बात का पता लग सके की उसमें रूसी कंपोनेंट मौजूद तो नहीं हैं।

एनकोर का कहना है कि यूक्रेनी सुरक्षा एजेंसियों ने आदेश दिया है कि आयातित भारतीय डीज़ल ईंधन की सभी खेपों का प्रयोगशाला विश्लेषण किया जाए ताकि रूसी घटकों की मौजूदगी की जाँच की जा सके।

एनकोर ने कहा कि यूक्रेन ने अगस्त में 119,000 टन भारतीय डीज़ल ईंधन का आयात किया, जो कुल डीज़ल आयात का 18% है। 2022 में रूस के साथ शुरू होने वाले पूर्ण युद्ध से पहले, यूक्रेन घरेलू उत्पादन की कमी की भरपाई के लिए मुख्य रूप से बेलारूस और रूस से डीज़ल ईंधन का आयात करता था।

ईरान में इस्राइल के लिए जासूसी के शक पर हुई फांसी

तेहरान। ईरान में इस्राइल के लिए जासूसी के शक पर एक व्यक्ति को फांसी दे दी गई। सामाजिक कार्यकर्ताओं और मानवाधिकार संगठनों ने प्रताड़ित करने के आरोप लगाए हैं। ईरान ने जिस आरोपी को फांसी पर लटकाया, उसकी पहचान बाबक शहबाजी के रूप में हुई है।

प्रतापगढ़ ब्यूरो
शरद कुमार श्रीवास्तव
7/31, अचलपुर, प्रतापगढ़

संस्थापक
स्व.कन्हैया लाल
स्व.श्रीमती साधना
सम्पादक
उमेश चंद्र श्रीवास्तव
प्रबन्ध सम्पादक
अरविन्द पाण्डेय
संयुक्त सम्पादक
अनंत श्रीवास्तव
संयुक्त सम्पादक (तकनीकी)
केशव श्रीवास्तव
विधि सलाहकार
कल्पना श्रीवास्तव

शहर समता
स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक/सम्पादक उमेश चन्द्र श्रीवास्तव द्वारा कम्पीटेन्ट बिजनेस सर्विसेज, विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर 289/238ए,कर्नलगंज इलाहाबाद से प्रकाशित
सम्पादक
उमेश चन्द्र श्रीवास्तव
मो.नं.9005239332
आर.एन.आई.नं.
यूपीएचआईएन/2004/22466
Email : shaharsamta@gmail.com
इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।